दैनिक
लोकहित की पुकार
RNI-MPHIN/37343

राजगढ़, गुरुवार 23 मई, 2024 | वर्ष-03 | अंक-194 | पृष्ठ-8 | मूल्य- 2 रुपए

email-lokhit ki pukar@gmail.com

पेज- 7 | घायल को पेंट पकड़कर स्ट्रेचर से पटका, जांच में पुष्टि

पेज- 8 | समर कैंप में खिलाड़ी सीख रहे खेलों की बारीरियां

यूपी के महाराजगंज में सीएम मोहन यादव बोले-

विकास हर तरफ दिख रहा और गुंडे जेल में दिख रहे हैं

भोपाल/महाराजगंज। यह 21वीं सदी का भारत है और यहां पर लोकतंत्र है। किसी की भी तानाशाही नहीं चलेगी। देश की आजादी के बाद से कांग्रेस ने लगातार सनातन धर्म की जड़ों को काटने का प्रयास किया है। मध्यप्रदेश सीएम डॉ. मोहन यादव ने उत्तर प्रदेश के महाराजगंज में पंकज चौधरी, कुशीनगर में विजय कुमार दुबे और जौनपुर में कृपाशंकर सिंह के समर्थन में चुनावी सभाओं को संबोधित किया। इसके बाद बिहार के गया में आयोजित स्थानीय कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि देश के दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का होना बेहद जरूरी है। मुख्यमंत्री ने अपनी चुनावी सभाओं में कहा कि 1947 में देश आजाद हुआ। उसी समय अयोध्या में भगवान श्रीराम का मंदिर बनना चाहिए था, लेकिन 70 सालों तक कांग्रेस भगवान श्रीराम के होने पर ही प्रश्नचिन्ह लगाती रही। उनके होने का प्रमाण मांगती रही। कांग्रेस के कारण भगवान श्रीराम 70 सालों तक टेंट में ही विराजमान रहे। देशवासियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मौका दिया तो उन्होंने वादे के अनुरूप भगवान श्रीराम को उनके गर्भगृह में विराजमान कराया। अब श्रीराम अपने गर्भगृह में मुस्कुरा रहे हैं। कांग्रेस हमेशा से सनातन धर्म की जड़ों को काटने का कार्य करती रही। हिन्दू-मुसलमानों के बीच फूट डालकर अपनी राजनीतिक रोटी सेंकती रही। कांग्रेस की मानसिकता ही अंग्रेजों वाली रही है।

20-25 परिवार ने ही कर रखा था पदों पर कब्जा

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पूरे देश में 20-25 परिवार ऐसे हैं, जिन्होंने ही सारे पदों पर कब्जा कर रखा था। किसी दूसरे को अवसर नहीं मिलता है। यह लोकतंत्र पर एक तरह से कलंक है, इसका निपटारा होना जरूरी है। एक तरफ भाजपा सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास पर काम करती है। एक गरीब परिवार का चाय बेचने वाला बेटा भाजपा में प्रधानमंत्री बनता है, एक गरीब, मजदूर परिवार का बेटा मुख्यमंत्री बनता है, कोई गरीब मंत्री, सांसद, विधायक बनता है। लोकतंत्र का गौरव ऐसा होना चाहिए।

कांग्रेस की गलतियों के कारण चीन ने भारत की जमीन पर कब्जा किया

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस की गलतियों के कारण चीन ने भारत की एक लाख किलोमीटर से ज्यादा जमीन पर कब्जा जमाया। यह कलंक लंबे समय से हमारे देश के माथे पर है। कांग्रेस के शासनकाल में देश के चारों तरफ की सीमाएं असुरक्षित थीं। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में देश सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि पहले कभी भी देश में टिफिन बम, साइकिल बम फट जाते थे। लोग घरों से निकलने में डरते थे, लेकिन अब देश से आतंकवाद का नामोनिशान मिट गया है। देश के दुश्मनों को नेस्तनाबूद करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का होना बेहद जरूरी है।

कांग्रेस के शासनकाल में होते थे घोटाले ही घोटाले

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में घोटाले पर घोटाले होते रहे। एक के बाद एक नए-नए घोटाले सामने आए। पूरे देश की हालत खराब थी। देश की अर्थव्यवस्था बुरी तरह चरमरा गई थी। अर्थशास्त्र के जानकार देश के प्रधानमंत्री थे, लेकिन पर्दे के पीछे से सोनिया गांधी सरकार चला रही थीं। प्रधानमंत्री मौन रहते थे। एक साहबजादे कैबिनेट के फैसले सार्वजनिक रूप से फाड़कर फेंकते थे। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि कांग्रेस के लोग हमारे नारों का मजाक उड़ाते थे। 2019 में हमने नारा दिया था अबकी बार 300 पार तो इन्होंने मजाक उड़ाया, लेकिन प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में 300 से अधिक सीटें लेकर आए और कांग्रेस एवं इसके घमंडिया गठबंधन की बोलती बंद की। कांग्रेस ने आजादी के बाद देश को धारा 370 का कलंक दिया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि आज हमारा देश आर्थिक रूप से भी समृद्धशाली, वैभवशाली हुआ है। हम दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनने जा रहे हैं।

देश में 70 नए हवाई अड्डे बने हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोजीदी के नेतृत्व में देश के हर वर्ग और हर क्षेत्र का विकास हुआ है। उन्होंने सेना के जवानों और किसानों को उनका मान-सम्मान दिलाया है। कोविड जैसी महामारी में भी देशवासियों की रक्षा करने का बीड़ा उठाया और प्रत्येक नागरिक की जान बचाई। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि पहले लार्ड मैकाले ने और फिर कांग्रेस ने हमारी शिक्षा नीति से भगवान श्रीराम, श्रीकृष्ण, राजा हरिशचंद्र का इतिहास ही खत्म कर दिया था। हमारे आने वाली पीढ़ियां कैसे इनका इतिहास जानेगी? इन्होंने हमारी पीढ़ियों को सनातन धर्म से दूर करने का काम किया। इसके बाद प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदीजी के नेतृत्व में वर्ष 2020 में नई शिक्षा नीति लागू की गई। इस शिक्षा नीति में हमारे देवी-देवताओं, महापुरूषों को भी शामिल किया, ताकि हमारी आने वाली पीढ़ियां भी इनके बार में जाने और समझे।

उफ ये गर्मी

बीकानेर में 47 डिग्री पार पहुंचा पारा, तपती रेत पर बीएसएफ जवान ने सेंका पापड़

बीकानेर। देश में इन दिनों भीषण गर्मी पड़ रही है। कई जगहों पर तापमान 44 डिग्री के पार पहुंच चुका है। आलम ये है कि गर्मी के कारण लोगों का हाल बेहाल है। ऐसे में राजस्थान से एक ऐसी फोटो सामने आई है, जिसे देखकर आप चौंक जाएंगे।

बीकानेर में किस तरह की गर्मी पड़ रही है, इसका अंदाजा आप इसी से लगा सकते हैं कि बीएसएफ के जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके हैं। फोटो में देखा जा सकता है कि हमारे जवान किस तरह विपरीत परिस्थितियों में हमारे देश की सीमाओं की सुरक्षा में लगे हैं। एक ओर लोग गर्मी से निजात पाने के लिए एसी और कूलर का सहारा ले रहे हैं तो वहीं दूसरी ओर देश की सीमाओं में तैनात हमारे जवान इस आग उगलने वाली गर्मी में दिन-रात चौकस है, ताकि हम सुरक्षित रह सके। वायरल फोटो बीकानेर के खाजूवाला से लगती पाक सीमा का बताया जा रहा है। बताया जा रहा है कि राज्य का सबसे गर्म शहर बीकानेर है। भीषण गर्मी में भी देश की रक्षा के लिए जवान रेतीले रेगिस्तान में डटे हैं। इसी दौरान जवानों ने रेत पर पापड़ सेंके।

शाहरुख खान की बिगड़ी तबीयत, हॉस्पिटल में भर्ती

नई दिल्ली। बॉलीवुड के सुपरस्टार एक्टर शाहरुख खान के फैन्स के लिए शॉकिंग खबर सामने आई है। किंग खान तबीयत खराब होने के चलते उन्हें अहमदाबाद के केडी हॉस्पिटल में एडमिट किया गया था। हालांकि, प्राइमेरी ट्रीटमेंट के बाद शाहरुख को हॉस्पिटल से छुट्टी भी मिल गई। डॉक्टरों के मुताबिक, शाहरुख डीहाइड्रेशन का शिकार हुए। बता दें कि, शाहरुख खान 21 मई को KKR vs SRH के बीच प्लेऑफ मैच को देखने के लिए अहमदाबाद पहुंचे थे।

दिल्ली में पीएम मोदी बोले-

लुटेरे जेल जाएंगे, कांग्रेस-इंडी गठबंधन पर कसा तंज

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली संसदीय सीट के द्वारका में बुधवार को आयोजित चुनावी रैली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भ्रष्टाचार पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि जिसे लूटा गया है, भाजपा सरकार उसका धन लौटाएगी। वहीं, जिसने लूटा है, उसे चुन-चुनकर जेल पहुंचाएगी। शराब घोटाला व नेशनल हेराल्ड की हेराफेरी करने वालों से पाई-पाई वसूली जाएगी। उन्होंने इस घोषणा को मोदी की गारंटी करार दिया।

उन्होंने कहा कि इन दिनों लाखों-करोड़ों रुपये मिल रहे हैं। पिछले दिनों ही 22 हजार करोड़ रुपये पकड़े गए। चुनाव की घोषणा के बाद से ही नौ हजार करोड़ रुपये जब्त हुए। जिससे यह पैसा लूटा गया है, वे एक-एक पाई लौटाएंगे। इसके लिए वे कानूनी सलाह ले रहे हैं। जो पैसा मिला है वह देश के किसी न किसी नागरिक का होगा। इसका स्रोत पता किया जा रहा है। जिससे भी यह पैसा लिया गया है, उसे लौटाया जाएगा। जो इसके लुटेरे हैं, वे कोई भी हों, उनका जेल में जाना तय है।

मुख्यमंत्री केजरीवाल पर निशाना साधते हुए पीएम ने कहा कि दिल्लीवाले भ्रष्टाचारियों का खेल देख रहे हैं। इन लोगों ने दिल्ली के लोगों को लूटने का कोई मौका नहीं छोड़ा। अदालत भी इनकी लूट देखकर हैरान है। भ्रष्टाचार मिटाने के दम में सत्ता में आए खुद भ्रष्टाचारी हो गए हैं। बीते दिनों के अदालत के निर्णय से इस बात का पता भी चल रहा है। कांग्रेस के शहजादे ने खुद मान लिया है कि उनके दादा-दादी व पिता के समय में जो सिस्टम बना, वह अनुसूचित जाति, जनजाति व पिछड़ों का विरोधी रहा है। यह गठबंधन घोर भ्रष्टाचारी हैं। ये वे लोग हैं, जिनके पास से नोटों के पहाड़ निकल रहे हैं। रंगे हाथों लोग पकड़े जा रहे हैं।

जेएमएम ने झारखंड को घोटालाखंड बनाया

कांग्रेस, जेएमएम और आरजेडी तीन तिगाड़ा, काम बिगाड़ा

भोपाल। मध्यप्रदेश पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बुधवार को झारखंड की तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव प्रचार किया। चौहान ने धनबाद लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी ढुलू महतो के समर्थन में विशाल जनसभा को संबोधित किया। गोड्डा लोकसभा से भाजपा उम्मीदवार निशिकांत दुबे के समर्थन में रोड-शो कर चुनावी सभा को संबोधित किया। वहीं, रांची लोकसभा से प्रत्याशी संजय सेठ के समर्थन में आयोजित युवा सम्मेलन में सहभागिता कर युवाओं से संवाद किया।

इस दौरान पूर्व सीएम ने कहा कि मैं मुख्य अतिथि नहीं हूं, मामा हूं, मैं आपके परिवार का सदस्य हूं। झारखंड की इस पवित्र धरती को प्रणाम करता हूं। ये वो धरती है, जिसने भगवान बिरसा मुंडा जी को जन्म दिया। उन्होंने कहा कि मैं श्रृध्देय अटल जी को भी प्रणाम करता हूं, जिन्होंने झारखंड राज्य बनाने का काम किया था। अटल जी ने झारखंड बनाया है और मोदी

जी ने झारखंड को संवारा है। मोदी जी दिल्ली से जनता की भलाई के लिए पैसा भेजते हैं। लेकिन ये जेएमएम, कांग्रेस, आरजेडी, इंडी गठबंधन वाले उस पैसे से नोटों के पहाड़ खड़े कर देते हैं। इन्होंने झारखंड को घोटालाखंड बना दिया है। पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि ये कांग्रेस, झामुमो और आरजेडी तीन तिगाड़ा काम बिगाड़ा है। इन्होंने खुलेआम झारखंड को लूटा है। विधायक लूट रहा है, मंत्री लूट रहा है, सांसद लूट रहा है और मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन तो जेल चले गए। उन्होंने खुद ही जमीन की एप्लीकेशन दी, और खुद के हस्ताक्षर कर जमीन खुद के ही नाम करने के लिए कहा। हेमंत सोरेन ने सेना की जमीन हड़पने का पाप और अपराध किया है। कांग्रेस के जमाने में भी झारखंड को लूटते रहे। इस अमीर धरती के लोगों को गरीब बनाने का काम तीनों पार्टियों ने किया है। ये एक ही थाली के चट्टे-बट्टे हैं, चोर-चोर मौसेरे भाई हैं। इन्होंने कोयला लूटा, रेत लूटी, पत्थर लूटा, यहां तक की पहाड़ के पहाड़ ही खोद कर बेच दिए।

ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे केजरीवाल ने ठगा नहीं

पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि अब तक ऐसा कोई सगा नहीं, जिसे केजरीवाल ने ठगा नहीं। केजरीवाल न केवल करप्शनवाल हैं, बल्कि नटवरलाल भी हैं। जो दूसरों को ठगे वो ठग कहलाता है। लेकिन जो अपनो को ही ठगे वो महाठग कहलाता है। केजरीवाल ने किस-किस को नहीं ठगा, आदणीय अन्ना हजारे जी, प्रशांत भूषण जी, बहन शाजिया इल्मी, कुमार विश्वास, आशुतोष एक पूरी श्रृंखला है, जिनको केजरीवाल ने धोखा दिया है।

पीओके भारत का अभिन्न अंग है

पूर्व सीएम ने कहा कि पाकिस्तान ने हमला किया था। जम्मू-कश्मीर पर हमारी सेनाएं बहादुरी के साथ लड़ रहीं थीं, अगर तीन दिन और युद्ध विराम नहीं होता तो पीओके होता ही नहीं, सारा का सारा कश्मीर हमारा होता। कांग्रेस और पंडित जवाहर लाल नेहरू ने पाप किया और युद्ध विराम कर दिया और पीओके पाकिस्तान में रह गया। आज भारतीय जनता पार्टी का संकल्प है कि अब पीओके हमारा है और हम उसे लेकर रहेंगे, वो भारत का अभिन्न अंग है। उन्होंने कहा कि ये ऐतिहासिक भूल, अपराध और पाप है, जो पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने किया। क्या-क्या नहीं किया, एक देश में दो निशान दो विधान, दो प्रधान कौन लेकर आया। कश्मीर हमारा था, हम लोग नारे लगाते रहे एक देश में 2 निशान, 2 विधान, 2 प्रधान नहीं चलेंगे। लेकिन कांग्रेस ने ये पाप किया और धारा-370 लगा दी। मैं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को धन्यवाद देता हूं कि, उन्होंने एक झटके में धारा-370 खत्म करके एक देश से 2 निशान, 2 विधान, 2 प्रधान हटा दिए।

पोर्श कांड के आरोपी की जमानत रद्द, बाल सुधार गृह भेजा

पुणे। महाराष्ट्र के पुणे में 18 मई को एक तेज रफ्तार पोर्श कार ने एक बाइक को टक्कर मार दी थी। टक्कर में दो बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गई। इस मामले में जिस तरह से जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने नाबालिग को केवल निबंध लिखने का आदेश देकर छोड़ दिया। उससे पूरे देश में सवाल खड़े होने लगे। जब मामले ने तूल पकड़ा तो ताबड़तोड़ एक्शन होने लगे। अब इस मामले में नाबालिग रईसजादे को आज यानी बुधवार को अदालत के सामने पेश किया गया। यहां कोर्ट ने उसकी जमानत रद्द कर दी और उसे बाल सुधार गृह भेजने के निर्देश दिए। इस बीच पुणे की एक सत्र अदालत ने एक कार दुर्घटना में शामिल 17 वर्षीय नाबालिग के पिता और एक पब के दो कर्मियों को बुधवार को 24 मई तक की पुलिस हिरासत में भेज दिया। नाबालिग लड़के के पिता एक रियल एस्टेट कारोबारी हैं। इससे पहले, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ट ने 17 साल के आरोपी लड़के को एक नोटिस जारी किया है। उसे बुधवार यानी आज बोर्ड के सामने पेश होने को कहा है। बता दें, यह नोटिस तब जारी किया गया है, जब पुणे पुलिस ने बोर्ड से उसके जमानत आदेश की समीक्षा करने के लिए एक याचिका दी। बोर्ड अपने यरवदा इलाके में स्थित कार्यालय में दोपहर करीब 12 बजे पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर सकता है।

नाबालिग लड़के के पिता एक रियल एस्टेट कारोबारी हैं। इससे पहले, जुवेनाइल जस्टिस बोर्ट ने 17 साल के आरोपी लड़के को एक नोटिस जारी किया है। उसे बुधवार यानी आज बोर्ड के सामने पेश होने को कहा है। बता दें, यह नोटिस तब जारी किया गया है, जब पुणे पुलिस ने बोर्ड से उसके जमानत आदेश की समीक्षा करने के लिए एक याचिका दी। बोर्ड अपने यरवदा इलाके में स्थित कार्यालय में दोपहर करीब 12 बजे पुनरीक्षण याचिका पर सुनवाई कर सकता है।

नौतपा 25 मई से : रोहिणी नक्षत्र में सूर्य का होगा प्रवेश पड़ेगी भयंकर गर्मी, बेहद खतरनाक हैं ये नौ दिन!

बरेली। बरेली में गर्मी चरम पर है। वैसाख महीन में ही गर्मी ने लोगों को बेहाल कर दिया है। इसके बाद ज्येष्ठ मास लगेगा। हर साल ज्येष्ठ माह में नौ दिन ऐसे होते हैं। जिसमें भीषण गर्मी पड़ती है, इन्हें नौतपा के नाम से जाना जाता है। ज्योतिषियों के अनुसार, 25 मई से नौतपा शुरू होंगे और दो जून तक रहेंगे। गर्मी के लिहाज से ये नौ दिन बेहद खतरनाक होते हैं। ज्योतिषाचार्य पंडित मुकेश मिश्रा ने बताया कि ज्येष्ठ महीने की शुरुआत में सूर्य देव कृतिका नक्षत्र से निकलकर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करते हैं, इसके साथ ही नौतपा शुरू हो जाता है। इस बार सूर्यदेव 25 मई को सुबह 3:16 बजे पर रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करेंगे और उसके बाद दो जून को सूर्य मृगशिरा नक्षत्र में प्रवेश कर

जाएंगे। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार नौतपा की अवधि 25 मई से शुरू होकर 2 जून तक रहेगी। नौ तपा में सूर्य से धरती तपने लगती है, सूर्य आग उगलते प्रतीत होते हैं और जल स्वत- खौलने लगता है। ज्योतिषी पंचांग नौ तपा के दौरान इस बार भीषण गर्मी पड़ने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। यदि नौतपा के सभी दिन पूरे रहे तो यह अच्छी बारिश का संकेत होता है।

आंधी-बारिश के आसार

सूर्य के रोहिणी नक्षत्र में आने का प्रभाव ज्योतिष गणना के मुताबिक शनि की वक्री चाल के चलते नौतपा खूब तपेगा। हालांकि नौतपा के आखिरी दो दिनों के भीतर आंधी तूफान व बारिश होने की संभावना रहेगी।

वैज्ञानिक तथ्य के मुताबिक, मई के आखिरी सप्ताह में सूर्य और पृथ्वी के बीच की दूरी सबसे कम हो जाती है। उस दौरान सूर्य की किरणें सीधे धरती पर पड़ती हैं, इसलिए गर्मी इन दिनों में सबसे ज्यादा गर्मी होती है।

नौतपा के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

लोगों को बिना कुछ खाए घर से बाहर नहीं निकलना चाहिए। इस दौरान महिलाओं को अपने हाथों और पैरों पर मेहंदी लगानी चाहिए, क्योंकि मेहंदी की तासीर ठंडी होती है। आवश्यकतानुसार ग्लूकोज का सेवन भी करते रहना चाहिए। इन दिनों लोगों को मुलायम और सूती कपड़े पहनने चाहिए। तली-भुनी और मसालेदार चीजों का सेवन भी नहीं करना चाहिए और बासी खाना खाने से बचना चाहिए।

करें ये पुण्य काम

पेड़-पौधे लगाएं: नौतपा के दौरान पेड़-पौधे लगाने से बहुत पुण्य मिलता है। पेड़-पौधे लगाने के साथ ही इसकी सिंचाई भी करें। इन दिनों में पेड़-पौधों में जल डालने से पितृ प्रसन्न होते हैं और इससे पुण्य फल की प्राप्ति होती है।

दान करें : स्कंद पुराण के अनुसार नौतपा में गरीब और जरूरतमंदों में ऐसी चीजों का दान करें, जो गर्मी से राहत देती हो. इस समय आप अन्न, जल, सत्तू, पंखा, घड़ा, मौसमी फल, वस्त्र, छाता और जूते-चप्पलों का दान कर सकते हैं. इससे ग्रहों के अशुभ फल कम होती है।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन को राहत नहीं, सुप्रीम कोर्ट की फटकार के बाद वापस ली अंतरिम जमानत याचिका

नई दिल्ली। झारखंड मुक्ति मोर्चा के नेता और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सुप्रीम कोर्ट से एक बार फिर राहत नहीं मिली। अदालत ने सोरेन की अंतरिम जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। साथ ही कड़ी फटकार लगाई। दरअसल, सोरेन ने हाल ही में कोर्ट में याचिका दायर कर लोकसभा चुनाव के मद्देनजर खुद के लिए जमानत मांगी थी।

शीर्ष अदालत ने सोरेन की याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया। साथ ही सच को दबाने के लिए फटकार लगाई। अदालत ने पाया कि याचिकाकर्ता ने इस तथ्य का खुलासा नहीं किया है कि ट्रायल कोर्ट ने मामले में आरोपपत्र का संज्ञान लिया है। वहीं, फटकार के बाद हेमंत सोरेन का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने अंतरिम जमानत की मांग वाली याचिका वापस ले ली। इससे एक दिन पहले 21 मई को हुई सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने जमीन घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी सोरेन की अंतरिम जमानत की अर्जी पर सुनवाई के दौरान सवाल किया था कि अगर ट्रायल कोर्ट ने मामले में संज्ञान लेकर जमानत को खारिज कर दिया है तो क्या गिरफ्तारी की वैधता का परीक्षण हो सकता है? कोर्ट ने हेमंत सोरेन के वकील से पूछा था कि नियमित जमानत की अर्जी खारिज होने के बाद लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए उन्हें कैसे अंतरिम जमानत दी जा सकती है।

13 मई को न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने शुरू में मामले की सुनवाई 20 मई को सूचीबद्ध की थी लेकिन वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा था कि तब तक चुनाव खत्म हो जाएगा और अगर मामले में लंबी तारीख दी गई तो वह (सोरेन) पक्षपात का शिकार होंगे, जिसके बाद शीर्ष अदालत ने मामले की सुनवाई 17 मई के लिए निर्धारित कर दी। सिब्बल ने सोरेन का पक्ष रखते हुए पीठ को बताया था, उनका मामला भी अरविंद केजरीवाल के आदेश के हूबहू है और उन्हें भी प्रचार अभियान के लिए जमानत की जरूरत है।

पीठ ने कहा था कि इस सप्ताह बहुत ज्यादा काम है और बहुत से मामले सूचीबद्ध हैं। शीर्ष अदालत ने तारीख 20 मई से बदलने पर अनिच्छा जताई थी, लेकिन सोरेन की ओर से पेश हुए सिब्बल और वरिष्ठ अधिवक्ता अरुणाभ चौधरी के अनुरोध पर सुनवाई की तारीख को बदलकर 17 मई कर दिया गया था। पीठ ने कहा था, हमें नहीं पता कि मामले पर सुनवाई हो पाएगी या नहीं लेकिन फिर भी हम इसे 17 मई के लिए सूचीबद्ध कर रहे हैं।

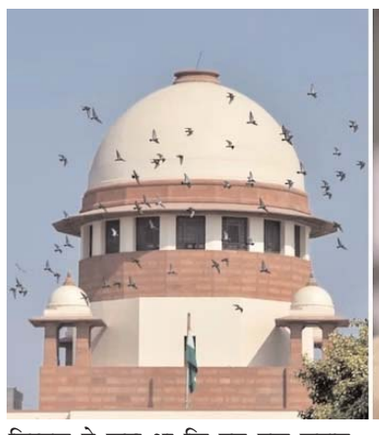

बिरसा मुंडा जेल में बंद हैं पूर्व सीएम

बता दें कि हेमंत सोरेन को प्रवर्तन निदेशालय द्वारा 31 जनवरी को गिरफ्तार किया गया था। उन पर जमीन से जुड़े घोटाले के मामले में धन शोधन का आरोप है। पूर्व सीएम फिलहाल रांची की बिरसा मुंडा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। सोरेन ने लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत की मांग की थी। हाईकोर्ट ने 10 मई को सोरेन की याचिका के लिए उच्च न्यायालय से निर्देश मांगे थे।

रांची में 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ी है जांच

सोरेन के खिलाफ जांच रांची में 8.86 एकड़ जमीन से जुड़ी है। ईडी का आरोप है कि इसे अवैध रूप से कब्जे में लिया गया था। एजेंसी ने सोरेन, प्रसाद और सोरेन के कथित फ्रंटमैन राज कुमार पाहन और हिलारियास कच्छप तथा पूर्व मुख्यमंत्री के कथित सहयोगी बिनोद सिंह के खिलाफ 30 मार्च को यहां विशेष पीएमएलए अदालत में आरोपपत्र दायर किया था। सोरेन ने रांची की एक विशेष अदालत के समक्ष जमानत याचिका दायर की थी, जिसमें उन्होंने यह आरोप लगाया कि उनकी गिरफ्तारी राजनीति से प्रेरित और उन्हें भाजपा में शामिल होने के लिए मजबूर करने की एक सुनियोजित साजिश का हिस्सा थी।

केजरीवाल से अलग है केस- ईडी

ईडी ने इसका विरोध किया था और कहा था कि सोरेन का केस दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से अलग है। अगर प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दी गई तो इस तरह के कई नेताओं के मामले कोर्ट के सामने आएंगे। ऐसे मामलों की बाढ़-सी आ जाएगी।

तीन मई को की थी याचिका खारिज

सोरेन ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए झारखंड उच्च न्यायालय में याचिका दाखिल की थी, जिसे अदालत ने तीन मई को खारिज कर दिया, जिसके बाद उन्होंने शीर्ष अदालत का रुख किया। सोरेन ने गिरफ्तारी के खिलाफ उनकी याचिका पर अदालत का फैसला आने तक लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत भी मांगी थी। शीर्ष अदालत ने 10 मई को अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए अंतरिम जमानत दे दी थी। केजरीवाल को कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से संबंधित धन शोधन के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था।

भोजपुर स्टार पवन सिंह को भाजपा ने किया निष्कासित

कहा- आपके कारण पार्टी की छवि धूमिल हुई

पटना। बिहार भाजपा ने भोजपुरी गायक पवन सिंह को एनडीए के आधिकारिक उम्मीदवार के खिलाफ स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए निष्कासित कर दिया। भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश मुख्यालय प्रभारी अरविंद शर्मा ने पवन सिंह के नाम से चिट्ठी जारी की है। इसमें उन्होंने लिखा कि लोकसभा सभा चुनाव में आप राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के अधिकृत प्रत्याशी उपेंद्र कुशवाहा के विरोध में चुनाव लड़ रहे हैं। आपका यह काम दल विरोधी है। इस कारण पार्टी की छवि धूमिल हुई है। इसलिए आपको दल विरोधी काम करने के लिए प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी के निर्देश पर निष्कासित किया जाता है।

भाजपा ने आसनसोल से दिया था टिकट

बता दें कि पवन सिंह ने पहले स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में काराकाट लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ने के अपने फैसले की घोषणा की थी। इससे पहले भाजपा ने उन्हें आसनसोल लोकसभा का टिकट दिया है। भाजपा चाहती थी कि पवन सिंह आसनसोल से ही चुनाव लड़ें। लेकिन, अगले ही दिन पवन सिंह ने चुनाव लड़ने से मना कर दिया। दरअसल, पवन सिंह बिहार में आरा से चुनाव लड़ना चाहते थे। लेकिन, जब आरा से केंद्रीय मंत्री और वर्तमान सांसद आरके सिंह को टिकट दिया गया तब पवन सिंह ने काराकाट से निर्दलीय चुनाव लड़ने का एलान किया।

कुशवाहा बोले- जनता को भरमाने की कोशिश कर रहे

बता दें कि काराकाट सीट पर मतदान लोकसभा चुनाव के सातवें चरण में एक जून को होगा। अभी चौथे और पांचवें चरण की लोकसभा सीटों पर ज्यादातर दलों का ध्यान है। यहां एनडीए ने उपेंद्र कुशवाहा को मैदान में उतारा है। वहीं भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर पवन सिंह निर्दलीय ही मैदान में उतर चुके हैं। महागठबंधन की ओर से कॉम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी-लेनिनवादी) ने राजा राम सिंह को उतारा है और वह इस बात से खुश भी हैं कि एनडीए के वोटर इस नाम पर बंट रहे हैं। भाजपा नेता खुले तौर पर उपेंद्र कुशवाहा का साथ दे रहे हैं।

मेरे खिलाफ गंदी बातें बोलने का दबाव पार्टी में सबको दिए अलग-अलग टास्क

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले को लेकर दिल्ली में जबरदस्त सियासत चल रही है। जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की साजिश बता रही है वहीं दूसरी तरफ भाजपा के नेता भी इस मामले को लेकर आप को घेरने में लगे हैं। वहीं, स्वाति मालीवाल भी लगातार आम आदमी पार्टी पर हमलावर हैं। मालीवाल ने आम आदमी पार्टी पर बडा आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि आप नेताओं पर उनके खिलाफ बयान देने का बहुत दबाव है। कार्यकर्ताओं को उनके खिलाफ अलग-अलग टास्क दिए जा रहे हैं।

स्वाति मालीवाल ने एक्स पर लिखा, कल पार्टी के एक बड़े नेता का फोन आया। उसने बताया कैसे सब पर बहुत ज्यादा दबाव है, स्वाति के खिलाफ गंदी बातें बोलनी हैं, उसकी पर्सनल फोटोज लीक करके उसे तोड़ना है। ये बोला जा रहा है कि जो उसको सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल देंगे। किसी को PC करने की और किसी को ट्वीट्स करने की ड्यूटी मिली है। किसी की

ड्यूटी है अमरीका में बैठे वॉलंटियर्स को फ़ोन करके मेरे खिलाफ कुछ निकलवाना। आरोपी के कुछ करीबी बीट रिपोर्टर्स की ड्यूटी है कुछ फर्जी स्टिंग ऑपरेशन बनाकर लाओ।

स्वाति ने आगे लिखा, तुम हजारों की फौज खड़ी कर दो, अकेले सामना करूंगी। क्योंकि सच मेरे साथ है। मुझे इनसे कोई नाराजगी नहीं है, आरोपी बहुत शक्तिशाली आदमी है। बड़े से बड़ा नेता भी उससे डरता है। किसी की हिम्मत नहीं उसके खिलाफ स्टैंड ले पाए। मैं किसी से उम्मीद भी नहीं करती। दुख इस बात का लगा कि दिल्ली की महिला मंत्री कैसे हंसते-मुस्कुराते पार्टी की एक पुरानी महिला साथी का चरित्र हरण कर रही है। मैंने अपनी स्वाभिमान की लड़ाई शुरू की है, इंसाफ मिलने तक लड़ाई लड़ती रहूंगी। इस लड़ाई में मैं पूरी तरह अकेली हूं, पर हार नहीं मानूंगी। कल पार्टी के एक बड़े नेता का फोन आया। उसने बताया कैसे सब पर बहुत ज़्यादा दबाव है, स्वाति के ख़िलाफ़ गंदी बातें बोलनी हैं, उसकी पर्सनल फ़ोटोज़ लीक करके उसे तोड़ना है। ये बोला जा रहा है कि जो उसको सपोर्ट करेगा उसको पार्टी से निकाल देंगे।

आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल केस में गिरफ्तार बिभव कुमार को दिल्ली पुलिस मुंबई से वापस दिल्ली ले आई है। मुख्यमंत्री आवास पर राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट करने के मामले की जांच के लिए मंगलवार को पुलिस टीम बिभव कुमार को मुंबई ले गई थी। बताया जा रहा है कि मुंबई में बिभव को दिल्ली पुलिस द्वारा तीन स्थानों पर ले जाया गया, सभी तीन स्थानों पर उसके फोन की लोकेशन ट्रैक की गई। पुलिस ने कुछ लोगों के बयान दर्ज किये हैं।

स्वाति मालीवाल मामले में शशि थरूर ने किया आप का बचाव

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी की राज्यसभा सांसद स्वाति मालीवाल से मारपीट के मामले को लेकर दिल्ली में जबरदस्त सियासत चल रही है। जहां एक तरफ आम आदमी पार्टी इसे भाजपा की साजिश बता रही है। वहीं दूसरी तरफ भाजपा के नेता भी इस मामले को लेकर आप को घेरने में लगे हैं। अब कांग्रेस सांसद शशि थरूर और केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी के बीच इस मामले पर बहस छिड़ गई है। पुरी ने कांग्रेस नेता को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि उन लोगों को शर्म आनी चाहिए जो कहते हैं कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है।

रोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए मामले को हवा दी जा रही: शशि थरूर

दरअसल, शशि थरूर ने कहा कि देश में चल रहे कई अहम मुद्दों जैसे बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए इस मामले को हवा दी जा रही है। उन्होंने कहा, इस मामले में आप ने एक बयान जारी किया है। मैं इस पर भरोसा करता हूं। इसमें बदलाव या कुछ और बोलने की जरूरत नहीं है।

मुझे वास्तव में लगता है कि देश में चल रहे कई अहम मुद्दों जैसे बेरोजगारी और महंगाई से ध्यान भटकाने के लिए इस मामले को हवा दी जा रही है। हमें इस बात पर ध्यान देना होगा कि आम इंसानों के लिए क्या जरूरी है, न कि इन फालतू मुद्दों को तूल देना हैं। भाजपा अक्सर मीडिया से

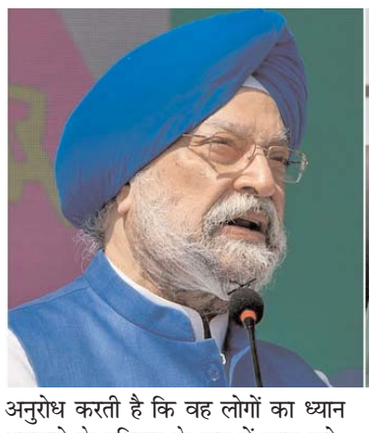

अनुरोध करती है कि वह लोगों का ध्यान भटकाने के हथियार के रूप में काम करे। मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि ऐसा न करें। सही मुद्दों से ध्यान भटकाना किसी के हितों की पूर्ति नहीं करता है।

थरूर ने आगे कहा, आप ने आधिकारिक बयान दिया है। मुझे इसमें कुछ भी जोड़ने की जरूरत नहीं दिखती। हमने उन्हें (स्वाति) को नियुक्त नहीं किया है। इसलिए, यदि वे जानते हैं, तो उन्हें केवल बोलने दीजिए। दूसरे, इस मुद्दे को बार-बार उठाकर भाजपा क्या चाहती है? यह देखने के लिए कि लोगों द्वारा महसूस किए गए देश की वास्तविकता बेरोजगारी, महंगाई पर चर्चा नहीं की जाती है। यह चुनाव देश के भविष्य का चुनाव है। हम 140 करोड़ भारतीयों के भविष्य के बारे में सोच रहे हैं। कानून को अपना काम करने दीजिए।

हरदीप सिंह पुरी का पलटवार

केंद्रीय मंत्री पुरी ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर पर भी हमला बोला। उन्होंने कहा, शशि थरूर से पूछिए कि उन्होंने कई विभागों में काम किया है और फिर भी वह इस मामले के महत्व को कम कर रहे हैं। महिला सशक्तिकरण और नारी शक्ति ये चीजें अब महत्वपूर्ण नहीं हैं।

हम यहां क्या कर रहे हैं? आप कह रहे हैं कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। उन्हें शर्म आनी चाहिए जो कहते हैं कि यह महत्वपूर्ण मुद्दा नहीं है। आज मुद्दा यह है कि आप अपनी 50 फीसदी आबादी के साथ कैसा व्यवहार करते हैं। पुरी ने आगे कहा, केजरीवाल ने शराब घोटाले में 170 मोबाइल फोन नष्ट किए। ईडी की रिपोर्ट में कहा गया है कि उनके पास अरविंद केजरीवाल और एक हवाला ऑपरेटर के बीच सीधी बातचीत है।

वहीं, केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा, %मुझे यह समझ नहीं आता कि यह कैसे जुड़ा है कि इंडी गठबंधन की सरकार बनेगी और केजरीवाल के जेल नहीं जाएंगे। यह दोनों बात आपस में कैसे जुड़ी है? वह जेल इसलिए गए क्योंकि उनके खिलाफ आरोप पत्र दाखिल किया गया था और उन्हें 21 दिनों की अंतरिम जमानत मिली थी। यह सब भ्रम है।

यह है मामला

एफआईआर में दर्ज बयान में स्वाति मालीवाल ने बताया कि वह 13 मई की सुबह करीब 9 बजे दिल्ली के मुख्यमंत्री के आवास पर कैंप कार्यालय के अंदर गईं थी। उन्होंने बिभव को फोन किया, लेकिन संपर्क नहीं हो सका। वह सीएम आवास के अंदर गईं और स्टाफ को उनके आने के बारे में सूचना सीएम को देने को कहा। उन्हें बताया गया कि सीएम घर पर हैं साथ ही ड्रॉइंग रूम में इंतजार करने को कहा गया। तभी बिभव कुमार वहां आकर बदतमीजी करने लगे।

उन्होंने आरोप लगाया कि इस बीच बिभव ने उनके साथ मारपीट शुरू कर दी। मदद के लिए आवाज लगाने पर भी कोई नहीं आया। लगातार मारपीट की गई। उन्होंने घटना की जानकारी देने के लिए 112 नंबर पर कॉल किया। आरोप है कि इस पर बिभव ने उन्हें धमकाया और वह चले गए। मौके पर पहुंचे पीसीआर स्टाफ की मदद से वह ऑटो से सिविल लाइंस पुलिस स्टेशन पहुंचीं और एसएचओ को घटना की जानकारी दी। घटना का राजनीतिकरण ना हो इसके लिए वह बिना लिखित शिकायत दिए वहां से चली गईं। 16 मई को उन्होंने एफआईआर दर्ज कराई।

राज्य में भाजपा की 30 सीटें आते ही ममता सरकार की विदाई

बंगाल में गरजे अमित शाह; कांग्रेस-टीएमसी को घेरा

कोलकाता। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज पश्चिम बंगाल में हुंकार भरी। उन्होंने कांथी में एक रैली को भी संबोधित किया। इस रैली में उन्होंने बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी समेत सभी विपक्षी पार्टियों को घेरा। अमित शाह ने कहा कि बंगाल में भाजपा की 30 सीटें आते ही ममता सरकार की विदाई हो जाएगी। उन्होंने ममता बनर्जी पर राज्य में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की योजनाओं को रोकने का आरोप भी लगाया। इसके साथ ही उन्होंने तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) पर निशाना साधते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को खत्म कर दिया।

रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने राज्य में हिंसा के मामलों पर ममता सरकार को घेरा। उन्होंने कहा, बंगाल में राजनीतिक हिंसा ने लोकतंत्र को लगभग समाप्त कर दिया है। यहां पंचायत के चुनाव हुए, जिनमें

200 से ज्यादा लोग मारे गए। मगर मैं आपसे कहना चाहता हूं कि इस बार आप मत डरना, क्योंकि पांच चरण के चुनाव में ममता के गुंडे किसी का बाल भी बांका नहीं कर पाए।

केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, पांच चरण का मतदान समाप्त हो चुका है। इन पांच चरणों के चुनाव में मोदी जी 310 सीट पार कर गए हैं। ममता दीदी के इंडी गठबंधन का सूपड़ा साफ हो गया है। इस बार बंगाल में भी 30 सीटें नरेन्द्र मोदी जी की झोली में जाने वाली हैं। बंगाल में भाजपा की 30 सीटें आते ही, ये टीएमसी खंड-खंड हो जाएगी और ममता दीदी की सरकार की विदाई हो जाएगी।

ममता वोट बैंक से डरती है- अमित शाह

कांथी में रैली को संबोधित करते हुए अमित शाह ने कांग्रेस और टीएमसी पर आरोप लगाया कि 70 साल से ये दोनों पार्टियां राम मंदिर निर्माण को रोककर बैठी थी। उन्होंने आगे कहा, आपने मोदी जी को दूसरी बार प्रधानमंत्री बनाया, उन्होंने पांच साल में ही केस भी जीता, भूमिपूजन भी किया और 22 जनवरी को प्राण प्रतिष्ठा भी कर दी। प्राण प्रतिष्ठा का निमंत्रण ममता बनर्जी को भी दिया गया था। लेकिन वो प्राण प्रतिष्ठा में अयोध्या नहीं गई। वो इसलिए नहीं गई, क्योंकि वो अपने वोटबैंक से डरती हैं। भाजपा नेता ने बताया कि ममता बनर्जी बुरी तरह से डरी हुई है। उन्होंने कहा, कल मुझे यहां पहुंचते ही पता चला कि शुभेंदु अधिकारी के घर पर पुलिस ने रेड की है। ममता दीदी हम भाजपा वाले हैं, आपकी पुलिस से हम नहीं डरते। ये शुभेंदु अधिकारी का क्षेत्र है। मैं यहां कहकर जाता हूं कि ममता बनर्जी इनपर जितना अत्याचार करेगी, भाजपा शुभेंदु को उतना ही बड़ा आदमी बनाएगी।

केंद्रीय मंत्री ने ममता बनर्जी पर राज्य में पीएम मोदी की योजनाओं को रोकने का भी आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकारी की सभी योजनाएं ममता बनर्जी रोक कर बैठी हैं। पीएम आवास योजना के अंतर्गत बिहार में 87 लाख पक्के घर बनें, जबकि बंगाल में सिर्फ 38 लाख घर बन पाए।जल जीवन मिशन से बिहार के 96% घरों में पानी पहुंचा, जबकि बंगाल में सिर्फ 39% घरों तक पानी पहुंचा।

कांग्रेस ने मतदान आंकड़े देरी से जारी करने को लेकर ईसी पर उठाए सवाल

कहा- ऐसी गतिविधियों से वोटर परेशान

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को वास्तविक मतदाता मतदान आंकड़ों और चुनाव आयोग द्वारा जारी अंतिम आंकड़ों के बीच बड़े अंतर पर सवाल उठाए। पार्टी ने कहा कि मतदाता चुनाव आयोग में अजीब गतिविधियों से परेशान हैं। कांग्रेस नेता और पार्टी के मीडिया एवं प्रचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कहा कि यह अंतर करीब 1.7 करोड़ वोटों का है। उन्होंने इस अंतर को चौंकाने वाला बताया।

अजीबोगरीब गतिविधियों को लेकर मतदाता परेशान

खेड़ा ने सोशल मीडिया एक्स पर कहा, चुनाव आयोग में चार चरणों के मतदान के दौरान अजीबोगरीब गतिविधियों को लेकर मतदाता परेशान हैं। पहले चुनाव आयोग मतदान का अंतिम आंकड़ा तैयार करने में 10-11 दिन का समय लेता है और उसके बाद वास्तविक समय के आंकड़ों और अंतिम आंकड़ों के बीच 1.7 करोड़ मतों का अंतर होता है। यह वास्तव में चौंकाने वाला है।

उन्होंने आगे कहा, गायब हुए ईवीएमों के बारे में कई सवाल हैं, जिनके जवाब नहीं मिले हैं। यह भी बहुत चिंताजनक हैं।

1.07 करोड़ का अंतर

कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, कुल 1.07 करोड़ का अंतर प्रत्येक लोकसभा सीट में 28,000 की वृद्धि के रूप में दिखाता है। यह बहुत बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने पुछते हुए कहा कि विसंगति उन राज्यों में सबसे ज्यादा है जहां भाजपा को भारी सीटों का नुकसान होने की आशंका है। यह क्या हो रहा है? इनके अलावा अन्य विपक्षी दलों ने भी अंतिम मतदान प्रतिशत जारी करने में देरी पर सवाल उठाए हैं। बता दें, लोकसभा चुनाव सात चरणों में हो रहे हैं और परिणाम चार जून को घोषित किए जाएंगे।

मप्र में शिवराज सरकार में बंद हुए राजधानी परियोजना प्रशासन के पुनर्गठन की तैयारी

भोपाल। शिवराज सरकार ने जिस राजधानी परियोजना प्रशासन (सीपीए) को तीन मार्च 2022 को बंद कर दिया था, अब उसके पुनर्गठन की तैयारी चल रही है। मुख्य सचिव वीरा राणा ने लोक निर्माण और नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों की 28 मई को बैठक बुलाई है, जिसमें सीपीए बंद होने के बाद भोपाल के उद्यान, शासकीय भवन और सड़कों से जुड़े कामों की समीक्षा की जाएगी।

वर्ष 2021 में अतिवर्षा के कारण भोपाल शहर की सड़कों की हालात खराब होने पर तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने समीक्षा बैठक में नाराजगी जताते हुए सीपीए को बंद करने के निर्देश दिए थे। नगरीय विकास एवं आवास विभाग ने तीन मार्च 2022 को कैबिनेट में प्रस्ताव प्रस्तुत किया, जिसे स्वीकृति दी गई।

इसके बाद सीपीए सड़क और भवन संधारण का काम लोक निर्माण और उद्यानों को संधारित करने दायित्व वन विभाग को सौंप दिया गया लेकिन इससे स्थिति में कोई सुधार नहीं आया। उद्यानों की हालत और खराब हो गई। मंत्री कृष्णा गौर ने मुख्यमंत्री डा.मोहन यादव को पत्र लिखकर उद्यानों और वन क्षेत्र के विकास को आधार बनाकर सीपीए के पुनर्गठन पर विचार करने का अनुरोध किया।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अधिकारियों का कहना है कि बैठक में सीपीए समाप्त होने के बाद राजधानी में उद्यान, भवन और सड़कों से जुड़े कामों की समीक्षा होगी। सूत्रों का कहना है कि सीपीए के पुनर्गठन को लेकर सरकार गंभीर है और शिवराज सरकार का इसे बंद करने का निर्णय वापस लिया जा सकता है।

मंत्रालय, विधानसभा भवन समेत प्रमुख भवनों के रखरखाव का काम देखता था सीपीए

सीपीए मंत्रालय, विधानसभा भवन, विधायक विश्रामगृह, शहीद स्मारक, पर्यावास भवन, गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग के चिकित्सालय, डिस्पेंसरी, आवास और यूनियन कार्बाइड के कचरे का निष्पादन और प्रमुख उद्यानों को संधारित करने का काम देखता था।

इसे बंद करने के बाद निर्माण संभाग, यांत्रिकी संभाग, भवन नियंत्रक, विधानसभा और गैस राहत संभाग की सभी संपत्ति, दायित्व, बजट और पद लोक निर्माण विभाग को हस्तांतरित कर दिए गए। 132 एकड़ में फैले एकांत, प्रियदर्शनी, मयूर, चिनार, प्रकाश तरण पुष्कर सहित अन्य उद्यानों का काम नगर निगम को दिया।

पंचायत सचिव के स्वजन को अब दूसरे जिले में भी मिल सकेगी अनुकंपा नियुक्ति

भोपाल। पंचायत सचिव के सेवा में रहते निधन होने पर उसके स्वजन को अनुकंपा नियुक्ति के लिए परेशान नहीं होना होगा। यदि संबंधित जिले में पद उपलब्ध नहीं है तो दूसरे जिले में भी नौकरी मिल जाएगी। इसके लिए पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम 2011 में संशोधन होगा, जिस पर सहमति बन गई है। लोकसभा चुनाव की आचार संहिता समाप्त होने के बाद अंतिम अधिसूचना जारी कर नए नियम लागू कर दिए जाएंगे।

पंचायत एवं ग्रामीण विकास के पंचायत सचिव भर्ती और सेवा की शर्तें में अभी दूसरे जिले में अनुकंपा नियुक्ति देने का प्रविधान नहीं है। विभागीय मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने जब अनुकंपा नियुक्ति के लंबित मामलों की समीक्षा की थी तो यह बात सामने आई कि पिछड़ा वर्ग समेत अन्य आरक्षित वर्ग के लिए संबंधित जिले में पद उपलब्ध नहीं होने के कारण दिवंगत पंचायत सचिव के स्वजन को नौकरी प्राप्त करने में काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए पंचायत सेवा (ग्राम पंचायत सचिव भर्ती और सेवा की शर्तें) नियम 2011 में संशोधन के निर्देश दिए थे। विभाग ने 15 मार्च 2024 को मध्य प्रदेश राजपत्र में अधिसूचना जारी कर आपत्ति या सुझाव मांगे थे। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि किसी ने इस पर आपत्ति नहीं जताई, इसलिए अब संशोधित नियम को अंतिम रूप दिया जाएगा। अनुकंप नियुक्ति के लिए यदि जिले में पद उपलब्ध नहीं है तो दूसरे जिले में पद होने पर अनुकंपा नियुक्ति दी जा सकेगी। इसके लिए विभागीय पोर्टल पर उपलब्ध पदों का पूरा विवरण रहेगा। इसके आधार पर संबंधित व्यक्ति को आवेदन करना होगा। नियुक्ति के लिए दोनों जिलों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और कलेक्टर सहमति देंगे।इसके साथ प्रस्ताव पंचायतराज संचालनालय को भेजा जाएगा और अनुमति के साथ जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी नियुक्ति आदेश जारी करेंगे। उल्लेखनीय है कि विभाग में 350 से अधिक अनुकंपा नियुक्ति के मामले हैं।

कमलनाथ ने मतदान के आंकड़ों में हुए बदलाव को लेकर पूछा-

इतना बड़ा अंतर कैसे आया इसकी वजह क्या है ?

भोपाल। मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने चुनाव आयोग से कहा है कि रियल टाइम मतदान और उसके बाद संशोधित आंकड़ों में 1.07 करोड़ वोटों की वृद्धि हुई है। इतने बड़े बदलाव को लेकर इलेक्शन कमीशन स्थिति स्पष्ट करे।

मध्यप्रदेश में लोकसभा चुनाव 2024 के चारों चरणों के मतदान की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। वहीं, देश में अब तक पांच चरणों में मतदान हो चुका है। चुनाव आयोग के आंकड़ों को लेकर एमपी के पूर्व सीएम कमलनाथ ने चुनाव आयोग को घेरा है।

बता दें कि कमलनाथ ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा है कि देश में चल रहे लोकसभा चुनाव में रियल टाइम मतदान और बाद में निर्वाचन आयोग द्वारा जारी संशोधित मतदान के आंकड़ों में अब तक 1.07 करोड़ वोटों की वृद्धि हुई है। रियल टाइम और संशोधित आंकड़ों में वोटों की इतनी बड़ी वृद्धि अभूतपूर्व एवं चौंकाने वाली है।

तत्काल स्थिति को स्पष्ट करे आयोग

कमलनाथ ने आगे लिखा कि माननीय निर्वाचन आयोग से आग्रह करता हूं कि वह तत्काल स्थिति को स्पष्ट करे। चुनाव प्रक्रिया स्वतंत्र एवं निष्पक्ष होने के साथ पारदर्शी भी होनी चाहिए। पारदर्शिता के अभाव में कई बार सही प्रक्रिया भी गलत दिखाई देने लगती है। माननीय निर्वाचन आयोग को सभी भ्रम और शंका दूर करने के लिए सामने आना चाहिए और स्पष्ट बताना चाहिए कि आखिर वोटिंग के आंकड़ों में इतना बड़ा अंतर कैसे आया और इसकी क्या वजह है?

वीडी शर्मा झारखंड में करेंगे चुनाव प्रचार

जनसभाओं के साथ संगठन की जमावट, बूथ मैनेजमेंट पर फोकस

भोपाल। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा झारखंड में चुनाव प्रचार करेंगे। शर्मा 24 से 30 मई तक झारखंड में जनसभा के साथ ही संगठन की जमावट, बूथ मैनेजमेंट पर फोकस करेंगे। विष्णुदत्त शर्मा को झारखंड की गोड्डा लोकसभा क्षेत्र ओर उसके आसपास के जिलों में चुनाव प्रचार की कमान सौंपी गई है। बता दें कि यह क्षेत्र शिबू सोरेन के प्रभाव का क्षेत्र माना जाता है। यहां पर शर्मा कमान संभालेंगे। झारखंड का देवघर, दुमका, गोड्डा में शर्मा भाजपा प्रत्याशी के समर्थन में सभाएं करने के साथ ही बूथ मैनेजमेंट भी जमाएंगे।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष को संगठन की जामवट में माहिर माना जाता है। उनकी तारीफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में ही भाजपा को विधानसभा चुनाव में बड़ी जीत मिली है। विष्णु दत्त शर्मा गोड्डा लोकसभा क्षेत्र में जमीन स्तर पर संगठन की जमावट, बूथ मैनेजमेंट, पोलिंग एजेंट समेत जमीनी मुद्दों पर फोकस करेंगे।

छात्र पर चाकू से जानलेवा हमला, आरोपित गिरफ्तार

भोपाल । शहर के आनंद नगर इलाके में बीटेक छात्र का तीन युवकों से विवाद हो गया। थोड़ी ही देर में उनके बीच मारपीट की नौबत आ गई। इसी बीच युवकों ने चाकू निकाल लिया और बीटेक छात्र पर प्रहार कर दिया। इससे छात्र घायल हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस ने हत्या के प्रयास की धाराओं के तहत प्रकरण दर्ज कर आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। यह है मामला: पिपलानी पुलिस के अनुसार अशोक विहार कालोनी में रहने वाला सत्यम नामदेव एक निजी कालेज में बीटेक द्वितीय वर्ष का छात्र है। वह अपने दोस्तों के साथ लाइब्रेरी से वापस लौट रहा था। हथाईखेड़ा रोड पर ऋषीपुरम कालोनी के पास रास्ते में तीन युवकों ने उसे रोका तथा गाली-गलौज करने लगे। सत्यम ने उन्हें गाली-गलौज करने से मना किया तो युवकों ने मारपीट करना शुरू कर दी। इसी दौरान एक युवक ने सत्यम पर छुरी से हमला कर दिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची तथा जांच शुरू की। सत्यम को इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। इधर , पुलिस ने हत्या के प्रयास का प्रकरण दर्ज करने के बाद आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया है। उनके नाम रितिक, राजकुमार व प्रिंस हैं। पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

बैरागढ़ में बढ़ती चोरी की घटनाओं से इलाके के राजनेता चिंतित

भोपाल। संत हिरदाराम नगर (बैरागढ़) में लगातार हो रही चोरी की वारदातों से इलाके के राजनेता भी चिंतित हैं। इनमें भाजपा और कांग्रेस दोनों दलों के नेता शामिल हैं। दोनों पार्टियों के नेताओं ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से मुलाकात कर बैरागढ़ पुलिस की कार्यप्रणाली पर चिंता प्रकट की। भाजपा के एमआइसी सदस्य राजेश हिंगोरानी एवं कांग्रेस पार्षद अशोक मारन के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने डीसीपी मलकीत सिंह से मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल ने कालोनी में हुई चोरी की गंभीर घटना के संबंध में अवगत कराया एवं शीघ्र कार्रवाई का अनुरोध किया। संत नगर के आसपास के किराएदारों का सर्वे करने एवं देर रात तक खुली दुकानों के संबंध में भी चर्चा की। डीसीपी ने उनकी बात को गंभीरता से सुना एवं इस संबंध में कार्रवाई का आश्वासन भी दिया। लगभग 10 दिवस पूर्व भाजपा नेता वासुदेव गुलानी के बेटे के साथ अब्बास नगर में हुई चाकूबाजी की घटना के संदर्भ में भी उन्होंने शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में झूलेलाल कालोनी के अध्यक्ष कन्हैयालाल दामानी, बीडी भारवानी एवं वासुदेव गुलानी आदि सम्मिलित थे। गौरतलब है कि संत हिरदाराम नगर के टी वार्ड क्षेत्र में हाल ही में हुई 50 लाख रुपए से अधिक की चोरी के आरोपित अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर हैं। 16 मई की रात को टी वार्ड निवासी चंद्रप्रकाश बेलानी के घर से अज्ञात बदमाश 50 लाख रुपये के आभूषणों पर हाथ साफ कर गए थे।

वृद्धजनों की स्वास्थ्य जांच के लिए 15 स्थानों पर लग रहे विशेष स्वास्थ्य शिविर

भोपाल। स्वास्थ्य विभाग भोपाल द्वारा वृद्धजनों की जांच के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जिसमें असंचारी रोगों का परीक्षण, मोतियाबिंद के लिए आंखों की जांच, मानसिक स्वास्थ्य परीक्षण, बधिरता जांच, वयस्क बीसीजी टीकाकरण, आयुष्मान कार्ड एवं आधार कार्ड बनाने की सेवाएं दी जा रही हैं। शिविर 24 मई तक आयोजित होंगे।

इन शिविरों में नेत्र रोगों की जाँच मोबाइल वैन द्वारा की जा रही है। मजदूरों की स्वास्थ्य संबंधी आवश्यकताओं को देखते हुए श्रमिक पीठों पर पूर्व से आयोजित किए जा रहे शिविरों में श्रमिकों ने उत्साह पूर्वक स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ लिया है। इन शिविरों के सकारात्मक परिणाम मिले हैं। शिविरों को विस्तार देते हुए वृद्धजनों के लिए भी स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया जा रहे हैं। ये शिविर सुबह 7.00 बजे से लगाए जा रहे हैं। इन शिविरों में क्षय रोग व कुष्ठ रोग की स्क्रीनिंग भी की जा रही है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भोपाल डॉ. प्रभाकर तिवारी ने बताया कि श्रमिकों के लिए आयोजित स्वास्थ्य शिविरों में बीस हजार से अधिक श्रमिकों को विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं से लाभान्वित किया गया है। 812 श्रमिक परिवारों के आयुष्मान कार्ड और 15 सौ से अधिक आभा कार्ड बनाए जा चुके हैं।

स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन भोपाल के इन 15 स्थानों पर किया जा रहा है बागमुगलिया कंजड़ मोहल्ला, ललिता नगर कोलार रोड डी मार्ट के सामने, जिंसी चौराहा, इतवारा चौराहा, लालघाटी चौराहा, बैरागढ़ चौराहा, करोंद चौराहा, गांधीनगर चौराहा, 10 नंबर मार्केट, नेहरू नगर चौराहा, परिहार चौराहा अशोका गार्डन, आनंद नगर चौराहा, मिनाल रोड अयोध्या नगर चौराहा, सिंधी कॉलोनी चौराहा, कैंची छोला।

कमजोर वर्ग और महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए अपराधों पर नियंत्रण करें : डीजीपी

भोपाल। मध्य प्रदेश में अपनी कर्तव्यनिष्ठा का परिचय देते हुए कानून व्यवस्था को बनाए रखने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को सम्मानित करने के उद्देश्य से बुधवार को पुलिस मुख्यालय के पुलिस ऑफिसर्स मेस में डायरेक्टर जनरल्स कमंडेशन रोल (डीजीसीआर) अवॉर्ड सेरेमनी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डीजीपी सुधीर सक्सेना ने विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाले 51 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशस्ति-पत्र और डिस्क देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि मैं सभी पुलिसकर्मियों के त्याग और लगनशीलता की सराहना करता हूं। हमारे पुलिसकर्मियों ने कर्तव्य पथ पर अडिग रहते हर प्रकार की चुनौतियों से लोहा लेते हुए अपराध पर नियंत्रण और नागरिक सुरक्षा के क्षेत्र में समर्पित भाव से जनसेवा की मिसाल कायम की है। आपकी इस सफलता में आपके परिवारवालों का भी महत्वपूर्ण योगदान है। आपने देशभक्ति-जनसेवा के सूत्रवाक्य को सार्थक किया है। उन्होंने कहा कि कमजोर वर्ग और महिलाओं के प्रति संवेदनशील रहते हुए अपराधों पर नियंत्रण करें।

पुलिसकर्मियों का मनोबल बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन आवश्यक

पीएचक्यू की ऑफिसर्स मेस में आयोजित अलंकरण समारोह में डीजीपी श्री सक्सेना ने कहा कि मध्य प्रदेश के पुलिस विभाग ने अपनी स्थापना से अब तक की गौरवमयी यात्रा में प्रदेश में कानून व व्यवस्था, शांति, आपसी प्रेम और भाईचारे की परम्पराओं को अक्षुण्ण बनाए रखने में अविस्मरणीय योगदान दिया है। मध्य प्रदेश पुलिस को इस मुकाम तक पहुंचाने में एक से बढ़कर एक जांबाज अधिकारियों और जवानों की अहम भूमिका रही है। पुलिसकर्मियों के कार्य को सम्मानित किए जाने से उत्कृष्टता की संस्कृति को प्रोत्साहन मिलता है। प्रदेश के सभी पुलिस अधिकारियों और जवानों को इनसे प्रेरणा लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस का व्यक्तिगत जीवन नहीं होता, हमें सदैव अपना कर्तव्य निभाने के लिए चुनौतियों के बीच कार्य करने के लिए तत्पर रहना पड़ता है। ऐसे में अच्छा कार्य करने वाले पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजन कर उन्हें सम्मानित और प्रोत्साहित किया जाना अत्यंत आवश्यक है। डीजीपी सक्सेना ने कहा कि आज इस कार्यक्रम में सम्मानित 51 पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के अतिरिक्त भी कई ऐसे पुलिसकर्मी हैं, जिन्होंने उत्कृष्ट कार्य किए हैं। मेरा सभी अधिकारियों से अनुरोध है कि ऐसे अधिकारियों व कर्मचारियों को चिन्हित कर अपनी-अपनी इकाई में पुरस्कृत किया जाए। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के पुलिस विभाग द्वारा भी सभी पुलिस अधिकारियों व जवानों की दक्षता में वृद्धि के प्रयास के साथ ही कार्य के दौरान वातावरण को और बेहतर बनाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं। आत्ममूल्यांकन कर पुलिस की कार्यक्षमता को बढ़ाने के लिए भी निरंतर प्रयास करते रहें और सदैव पूर्ण निष्ठा व लगन के साथ काम करते रहें। डायरेक्टर जनरल्स कमंडेशन रोल (डीजीसीआर) प्रदान करना वर्दीधारी बलों की एक विशिष्ट परंपरा है, जिसमें बल का मुखिया अपनेअधिकारी/कर्मचारियों का मनोबल बढ़ाने के लिए उसके द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों को सार्वजनिक रूप से सम्मान देते हुए अलंकरण प्रदान करते हैं।

बीएमएचआरसी में पल्मोनरी एम्बोलिज्म बीमारी का इन्टरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रिया से इलाज

भोपाल। एक 55 वर्षीय गैस पीड़ित मरीज के फेफड़ों की धमनी में खून का थक्का जम गया था, जिसकी वजह से थोड़ा भी चलने पर उनकी सांस फूल रही थी और वह काफी गंभीर स्थिति में पहुंच गए थे। भोपाल मेमोरियल अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र में इस मरीज का रेडियोलॉजिकल इन्टरवेंशनल प्रक्रिया से छोटा सा चीरा लगाकर उपचार किया गया। मरीज की समस्या अब खत्म हो गई है। बीएमएचआरसी रेडियोलॉजी विभाग के सहायक प्रोफेसर डॉ. राधेश्याम मीणा ने बताया कि मरीज सांस फूलने की शिकायत के साथ कार्डियोलॉजी विभाग की ओपीडी में आए थे। यहां जांच में पता चला कि उनकी फेफड़ों की धमनी पल्मोनरी आर्टरी में खून का थक्का जम गया है, जिसकी वजह से उन्हें सांस फूलने की शिकायत हो रही है। इसे पल्मोनरी थम्बो एम्बोलिज्म (पीई) कहा जाता है। यह एक घातक बीमारी है। इस बीमारी की मत्युदर करीब 20 से 30 प्रतिशत है। आमतौर पर ऐसे मरीजों को अस्पताल में भर्ती देकर दवा व इन्जेक्शन के माध्यम से खून का थक्का हटाने का प्रयास किया जाता है, लेकिन इस प्रक्रिया में अधिक समय लगता है और शरीर पर दवाओं के साइडइफेक्ट के खतरे भी बने होते हैं। रेडियोलॉजिकल इन्टरवेंशनल प्रक्रिया से मरीज के पैर की नस के रास्ते एक कैथेटर के जरिए पल्मोनरी आर्टरी में दवा पहुंचाई जाती है, जो वहां बने हुए खून के थक्के को नष्ट कर देती है। इस प्रक्रिया को कैथेटर डायरेक्टेड थ्रोम्बोलिसिस (CDT) कहा जाता है। बीएमएचआरसी में आए मरीज का भी इस प्रक्रिया से इलाज किया गया।

कैसे होता है डीवीटी

शरीर की नसों में रक्त का प्रवाह रुक जाने से डीवीटी हो सकता है। आमतौर पर डीवीटी पैरों को प्रभावित करता है। जब खून का थक्का पैर की नसों से प्रवाहित होते हुए फेफड़ों की नसों में जाकर फंस जाता है, तो इसे पल्मोनरी थम्बो एम्बोलिज्म (पीई) कहा जाता है।

किन लोगों को अधिक खतरा

ऐसे लोग जो ज्यादा चल फिर नहीं पाते। शरीर का कम मूवमेंट कर पाते हैं। 60 वर्ष से अधिक बुजुर्ग लोगों में डीवीटी की शिकायत देखी जाती है। लंबे समय तक अस्पताल में भर्ती रहने वाले मरीजों में या लंबे समय तक बेड रेस्ट करने के लिए मजबूर लोगों को यह बीमारी हो सकती है। एक्सीडेंट या सर्जरी की वजह से किसी नस के प्रभावित होने से प्रेग्नेंसी, मोटापा, धूम्रपान करने से।

बीमारियों के इलाज में होने वाली जटिलताएं खत्म

बीएमएचआरसी भोपाल की प्रभारी निदेशक मनीषा श्रीवास्तव ने कहा है कि इन्टरवेंशनल रेडियोलॉजी प्रक्रिया ने कई बीमारियों के इलाज में होने वाली जटिलताएं खत्म कर दी हैं। एक छोटा सा चीरा लगाकर बड़ी-बड़ी प्रक्रियाएं होने लगी हैं। बीएमएचआरसी का रेडियोलॉजी विभाग मरीजों को यह सुविधा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

संपादकीय

रईसी के बाद ईरान

मध्यपूर्व की कूटनीति व सामरिक रणनीति में खासी दखल रखने वाले ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई दुखद मौत के कारणों को लेकर कयासों का दौर जारी है। निस्संदेह, राष्ट्रपति रईसी व विदेश मंत्री समेत कई महत्वपूर्ण अधिकारियों की अप्रत्याशित मौत से ईरान सदमे में है। हालांकि, इब्राहिम रईसी की गिनती ईरान की इस्लामिक क्रांति के प्रतिनिधि चेहरों व कट्टरपंथी नेता के रूप में होती रही है। खासकर ईरान में राजनीतिक विद्रोहियों के साथ क्रूरता व पिछले दिनों हिजाब विरोधी आंदोलन के दमन को लेकर उनकी आलोचना होती रही है। दरअसल, इस्लामिक क्रांति के बाद ईरान मध्यपूर्व में अमेरिकी प्रभुत्व के खिलाफ सख्ती से खड़े होने वाले देश के रूप में जाना जाता है। जिसके परमाणु कार्यक्रम पर नियंत्रण के मद्देनजर अमेरिका व पश्चिमी देशों ने सख्त आर्थिक प्रतिबंध लगाए हैं। इस आर्थिक संकट से निकलने के लिये इब्राहिम रईसी ने भरसक प्रयास भी किये। ईरान की इस्लामिक क्रांति का अनुसरण करने वाली राजनीति में उनका कद इतना ऊंचा था कि उन्हें ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के उत्तराधिकारी का प्रबल दावेदार माना जाता रहा है। यद्यपि ईरान की विदेश नीति और परमाणु कार्यक्रम पर 85 वर्षीय खामेनेई का ही अंतिम अधिकार रहा है। निस्संदेह रईसी के अधूरे कार्यों को उनके उत्तराधिकारियों को पूरा करना होगा। हालांकि, रईसी की हेलीकॉप्टर दुर्घटना में हुई मौत में इस्राइल की भूमिका को लेकर तमाम कयास लगाए जा रहे हैं। इसकी वजह यह भी है कि कुछ समय पहले सीरिया में इस्राइली हमले में एक ईरानी जनरल के मारे जाने के बाद कुछ सप्ताह पूर्व क्रुद्ध ईरान ने इस्राइल पर सैकड़ों मिसाइलों व ड्रोन से हमले किये थे। शंका की वजह यह भी कि इस घटनाक्रम के कुछ सप्ताह बाद यह हादसा हुआ है। दरअसल, इस्राइल पर हमलावर रहने वाले हमास व हिजबुल्ला विद्रोहियों को दिये जाने वाले आर्थिक व नैतिक समर्थन के चलते ईरान हमेशा से ही इस्राइल के निशाने पर रहा है। सात अक्तूबर को इस्राइल पर हुए हमास के भीषण आक्रमण के पीछे भी ईरान का हाथ होने का आरोप लगाया जाता रहा है।

दरअसल, ईरान में इस्लामिक क्रांति के 45 साल के इतिहास में सत्ताधीशों की विदाई, मौत व दुर्घटनाओं का एक लंबा इतिहास रहा है। ऐसे में वहां इस तरह की व्यवस्था बना दी गई है कि एक शासन प्रमुख के जाने के बाद उसकी वैकल्पिक व्यवस्था तुरंत कर दी जाती है। यही वजह है ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने ईरानियों को भरोसा दिलाया है कि देश की शासन व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान नहीं आएगा। इसी क्रम में उन्होंने प्रथम उप-राष्ट्रपति मोहम्मद मोखबर को देश का कार्यवाहक राष्ट्रपति नियुक्त किया है। ईरानी संविधान के हिसाब से पचास दिन के भीतर नये राष्ट्रपति का चुनाव होना जरूरी है। बहरहाल, ईरान में सत्ता के इस नवीनतम घटनाक्रम पर पश्चिमी देशों तथा भारत समेत अन्य हितधारकों की निगाहें रहेंगी।

तपते द्वीप बनते शहरों में जीना हुआ दूभर

पंकज चतुर्वेदी

जब देश-दुनिया गर्मी में तपते थे तो हिमाचल प्रदेश में लोग सुकून की तलाश में आते थे। लेकिन इस साल इस हिमपात वाले राज्य के नौ जिलों में तापमान 42 डिग्री से पार है और सरकार ने वहां लू की चेतावनी दी है। गत 20 मई को ऊना का अधिकतम तापमान 44.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं हमीरपुर के नेरी का तापमान 44.1 डिग्री था। प्रदेश के मैदानी इलाकों में पिछले चार दिनों से तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हो रहा है।

गौर से देखें तो ये तपते शहर वे हैं जहां तेजी से शहरीकरण हुआ। जब हिमाचल के ये हाल हैं तो फिर पंजाब-हरियाणा में तो तापमान 45 पार होना कोई बड़ी बात नहीं। जिन स्थानों पर अस्वाभाविक रूप से तापमान बढ़ा, वहां कंक्रीट के जंगल रोपने में समाज अव्वल रहा है। बढ़ती आबादी वाले शहरों में तापमान बढ़ना केवल शारीरिक विकार ही नहीं , बल्कि कई और दिक्कतें साथ लेकर आता है। दिल्ली से सटे गाज़ियाबाद के सरकारी अस्पताल में बीते एक पखवाड़े से चिड़चिड़ेपन, दिमाग घूमने के मरीज आ रहे हैं। यही नहीं, सड़कों पर झगड़े बढ़ रहे हैं। काम करने में दिक्कतों के चलते कमाई कम हो रही और बिजली-पानी का खर्चा बढ़ रहा है।

भारत के बड़े हिस्से में सदियों से गर्मी पड़ती रही है लेकिन अब इसका दायरा बढ़ रहा है व दिन भी दुगने हो रहे हैं। प्रचंड गर्मी ने देश में पिछले 50 साल में 17,000 से ज?यादा लोगों की जान ली है। साल 1971 से 2019 के बीच लू चलने की 706 घटनाएं हुई हैं। लेकिन गत पांच सालों में चरम तापमान और लू की घटनाएं न केवल समय के पहले हो रही हैं, बल्कि लम्बे समय तक इनकी मार रहती है, खासकर शहरीकरण ने इस मौसमी आग में ईंधन का काम किया है, शहर अब जितने दिन में तपते हैं, रात उससे भी अधिक गरम हवा वाली होती है। आबादी से उफनते महानगरों में बढ़ता तापमान अकेले संकट नहीं होता, उसके साथ बढ़ती बिजली-पानी की मांग, दूषित होता पर्यावरण भी नया संकट खड़ा करता है।

अमेरिका की कोलम्बिया यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों के एक अध्ययन के मुताबिक, बढ़ती आबादी और गर्मी के कारण भारत के चार बड़े शहर नई दिल्ली, कोलकाता, मुम्बई और चेन्नई सबसे ज्यादा प्रभावित हुए हैं। कोलकाता में बढ़ते जोखिम के पीछे 52 फीसदी गर्मी तथा 48 फीसदी आबादी जिम्मेदार है। वैज्ञानिकों का कहना है कि बाहरी भीड़ को नही रोका गया तो तापमान तेजी से बढ़ेगा जो स्वास्थ्य के लिए नुकसानदेह साबित होगा।

शहरों में बढ़ते तापमान के कई कारण हैं॔ सबसे बड़ा तो शहरों के विस्तार में हरियाली का नष्ट होना। भले ही दिल्ली जैसे शहर दावा करें कि उनके यहां हरियाली की छतरी का विस्तार हुआ है लेकिन हकीकत में यहां लगने वाले अधिकांश पेड़ पारम्परिक ऊंचे वृक्ष की जगह, जल्दी उगने वाले झाड़ हैं, जो धरती के बढ़ते तापमान की विभीषिका से निबटने में अक्षम हैं। 'शहरी ऊष्मा द्वीप' शहरों की कई विशेषताओं के कारण बनते हैं। बड़े वृक्षों के कारण वाष्पीकरण और वाष्पोत्सर्जन होता है जो कि धरती के बढ़ते तापमान को नियंत्रित करता है। बोगेनवेलिया जैसे पौधे धरती के शीतलीकरण प्रक्रिया में कोई भूमिका निभाते नहीं हैं।

महानगरों की गगनचुम्बी इमारतें सूर्य की तपन से गर्मी को प्रतिबिंबित और अवशोषित करती हैं। एक-दूसरे के करीब कई ऊंची इमारतें भी हवा के प्रवाह में बाधा बनती हैं, इससे शीतलन अवरुद्ध होता हैं। शहरों की सड़कें उसका तापमान बढ़ने में बड़ी कारक हैं। महानगर में सीमेंट और कंक्रीट के बढ़ते जंगल, डामर की सड़कें और ऊंचे मकान बड़ी मात्रा में सूर्य की किरणों को सोख रहे हैं। इस कारण शहरों में गर्मी बढ़ रही है।

वैज्ञानिकों के मुताबिक तापमान में जितनी वृद्धि होगी, बीमारियां उतना ही गुणा बढ़ेंगी और जनहानि होगी। सड़क डामर की हो या कंक्रीट की, ये गर्मी को अवशोषित करती हैं और फिर तापमान कम होते ही उसे उत्सर्जित कर देती हैं।

खटाखट-फटाफट की सतही राजनीति से बचे लोकतंत्र

चुनावों का मौसम अभी चल रहा है। कुछ ही दिन में चुनाव के परिणाम भी आ जाएंगे, नई सरकार बन जायेगी। नये-पुराने नेता कुर्सियां संभालेंगे। तब किसी लक्ष्मण के 'आम आदमी' के चेहरे पर वैसी ही मुस्कान होगी जो उस कार्टून में दिख रही थी। पर आज की राजनीति को देखते हुए यह समझना ज़रूरी है कि मुस्कुराना पर्याप्त नहीं है। यह स्थिति अपने आप में कम पीड़ादायक नहीं है कि हमारी राजनीति का स्तर लगातार नीचे खिसक रहा है। देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस चुनाव-प्रचार के दौरान नई गिरावट को छूने का जैसे एक रिकॉर्ड बनाया है। विभिन्न दलों के राजनेताओं में जैसे प्रतियोगिता चल रही थी घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत करने की। हमारी राजनीति सिद्धांतों और मूल्यों के बजाय जुमलों में सिमट कर रह गयी है।

विश्वनाथ सचदेव

हमारे समय के महान कार्टूनिस्ट आर.के. लक्ष्मण ने अपने एक कार्टून में नेताओं के कार्टून न बनाने की बात की थी। उन्होंने लिखा था, 'अब मैं नेताओं के कार्टून नहीं बनाता, क्योंकि अब स्वयं कार्टून नेता बनने लगे हैं।' बरसों पहले बनाया गया था यह कार्टून, और लक्ष्मण के बनाये अनेक कार्टूनों की तरह यह आज भी प्रासंगिक है॔ शायद उस समय से कहीं ज़्यादा जब यह कार्टून बनाया गया था। इस कार्टून में लक्ष्मण का ट्रेडमार्क 'आम आदमी' हैरानी और चालाक-सी मुस्कान के साथ इस घोषणा को होते सुन-देख रहा है! आज भी आम आदमी के चेहरे पर वही मुस्कान है। पत्रकारिता में कभी कहा जाता था, 'एक चित्र सौ शब्दों के बराबर होता है। यही बात कार्टून पर भी लागू होती है। जहां तक नेताओं के कार्टून बन जाने का सवाल है आज की राजनीति में इसके उदाहरण खोजने की आवश्यकता नहीं है- एक ढूंढ़ो हज़ार मिलते हैं।

चुनावों का मौसम अभी चल रहा है। कुछ ही दिन में चुनाव के परिणाम भी आ जाएंगे, नई सरकार बन जायेगी। नये-पुराने नेता कुर्सियां संभालेंगे। तब किसी लक्ष्मण के 'आम आदमी' के चेहरे पर वैसी ही मुस्कान होगी जो उस कार्टून में दिख रही थी। पर आज की राजनीति को देखते हुए यह समझना ज़रूरी है कि मुस्कुराना पर्याप्त नहीं है। यह स्थिति अपने आप में कम पीड़ादायक नहीं है कि हमारी राजनीति का स्तर लगातार नीचे खिसक रहा है। देश के राजनीतिक नेतृत्व ने इस चुनाव-प्रचार के दौरान नई गिरावट को छूने का जैसे एक रिकॉर्ड बनाया है। विभिन्न दलों के राजनेताओं में जैसे प्रतियोगिता चल रही थी घटिया राजनीति का उदाहरण प्रस्तुत करने की। हमारी राजनीति सिद्धांतों और मूल्यों के बजाय जुमलों में सिमट कर रह गयी है। जुमले की भी एक नयी परिभाषा ईजाद की है हमारे नेताओं ने- आप चाहें तो इसे 'लफ्फाजी' नाम दे सकते हैं।

था कोई जमाना जब हमारे देश में चुनाव की तुलना यज्ञ से की जाती है। दूसरे आम चुनाव की बात है। चुनावी सभाओं में एक कविता सुनाई देती थी॔ 'ओ मतदाता, तुम भारत के भाग्य-विधाता/ राजसूय सम भारत के हित/ यह चुनाव है होने जाता/ कागज का यह नन्हा-टुकड़ा भारत माता का संबल है/ वोट नहीं है तेरे कर में, महायज्ञ-हित तुलसी दल है।' आज हमारे राजनेता उस तुलसीदल के लिए झूठ और फरेब का सहारा ले रहे हैं। त्रासदी तो यह भी है कि जो जितना बड़ा नेता है वह उतना बड़ा झूठ बोल रहा है। घटिया बोलों की एक प्रतिस्पर्धा चल रही है। किसी भी प्रकार के शर्म या लिहाज़ के लिए हमारी राजनीति में जैसे कोई जगह नहीं बची। हमारे नेता यह मानकर चल रहे हैं कि हल्की-फुल्की बातों से मतदाता को बरगलाया जा सकता है। ताजा उदाहरण 'खटाखट' वाली राजनीति का है। कांग्रेस के नेता राहुल गांधी ने एक चुनावी सभा में 'खटाखट-खटाखट' का प्रयोग क्या किया, राजनेताओं को जैसे नया खिलौना मिल गया। राहुल गांधी ने कहा था, 'मोदी अपने धनवान मित्रों को पैसा दे रहे हैं, पर मैं पैसा आपको दूंगा खटाखट-खटाखट। यहां खटाखट से उनका आशय तेजी से पैसा देना था। प्रधानमंत्री मोदी को यह शब्द पसंद आ गया और दूसरे ही दिन उन्होंने एक चुनावी सभा में 'खटाखट' शब्द के माध्यम से राहुल गांधी का मज़ाक उड़ाने का अभिनय किया। खटाखट शब्द में कहीं कुछ ग़लत नहीं है। वैसे ही जैसे 'दीदी, ओ दीदी' कहना कहीं से ग़लत नहीं लगता। पर पिछले चुनाव में जिस तरह 'ओ दीदी' उचारा गया था, उसे भद्र भाषा का उदाहरण तो नहीं कहा जा सकता। इस खटाखट शब्द की भी जिस तरह नकल उतारी गयी, उसे हास्यास्पद तो कहा ही जा सकता है! राहुल गांधी ने अपने भाषण में देश की हर गरीब महिला के बैंक खाते में 8500 रुपये खटाखट जमा करवाने की बात कही थी। प्रधानमंत्री जी ने इस खटाखट शब्द से उनका मज़ाक उड़ाया जो खटाखट पैसा देने की बात कर रहे थे। मतदाताओं को अपने नेताओं से कुछ गंभीर आचरण की अपेक्षा भी होती है। लेकिन हमारे नेता तो मतदाता को बच्चों की तरह रिझाने में विश्वास करते हैं! प्रधानमंत्री मोदी न जाने कब से देश के मतदाताओं को पांच किलो अनाज से रिझा रहे हैं। पहले देश के अस्सी करोड़ गरीबों को कुछ अर्से के लिए प्रतिमाह पांच किलो अनाज दिया गया था, फिर चुनाव से ठीक पहले यह कह दिया गया कि अगले पांच साल तक यह खैरात बंटती रहेगी। अब कांग्रेस के अध्यक्ष ने कहा है कि यदि उनकी सरकार बनती है तो वह पांच किलो के बजाय दस किलो अनाज प्रति माह देंगे। यही नहीं, यह बात कहीं इस तरह से कही जाती है मानो प्रधानमंत्री अथवा विपक्ष के नेता अपनी जेब से खर्च करके मतदाता को अनुगृहीत कर रहे हैं! लाभार्थी नाम दिया गया है सरकारी सहायता पाने वालों को। इसी तरह 'रेवड़ी बांटने' की बात भी हुई थी। सत्ताधारी पक्ष जनता को अनुदान देने को कल्याणकारी कार्य बताता है और विपक्ष की सरकारों को 'रेवड़ियां' न बांटने की सलाह देता है। चुनाव-प्रचार के इस सोच पर सवाल उठना ही चाहिए।

सवाल इस बात पर भी उठाना चाहिए कि पंथ-निरपेक्ष देश में धर्म के नाम पर वोट मांगने की इजाज़त कैसे दी जा रही है? अयोध्या में बने राम मंदिर पर 'बाबरी ताला' लगाये जाने के षड्यंत्र की बात का आखिर क्या मतलब है? कैसे कोई राजनेता यह कह सकता है कि, 'तुम्हारे' मंगलसूत्र भी उनको दे दिये जाएंगे? यह 'तुम्हारे' कह कर किसे संबोधित किया जा रहा है और यह 'उनको' का क्या मतलब है? हमारे संविधान-निर्माताओं ने बहुत सोच-समझ कर देश को धर्म-निरपेक्ष घोषित किया था। विभाजन के समय देश में जो परिस्थितियां बन गयी थीं, उन्हें देखते हुए आसान नहीं था इस प्रकार का निर्णय लेना। संविधान-सभा में इस सबको लेकर पर्याप्त विचार-विमर्श हुआ था और पाकिस्तान को मुस्लिम राष्ट्र घोषित किये जाने के बावजूद हमने देश को धर्मनिरपेक्ष रखने का निर्णय लिया था। वस्तुत- यह निर्णय मानवता के पक्ष में लिया गया था। सारी दुनिया को रास्ता बताया था हमने- मनुष्यता का रास्ता। आखिर धर्म के नाम पर संकीर्णता वाली सोच हमें कहां ले जायेगी?

यह जनतांत्रिक मूल्यों की सफलता का ही एक उदाहरण है कि हमारे देश में नियम से चुनाव हो रहे हैं। लेकिन यह पर्याप्त नहीं है। जनतांत्रिक मूल्यों को आचरण में उतारना ही इस सफलता की असली कसौटी है। इन्हीं मूल्यों का तकाज़ा है कि धर्म को राजनीति का हथियार बनाने की मानसिकता से उबारा जाये। यह 'हम' और 'वे' वाली राजनीति समाज को बांटने वाली है, हमें सिर्फ 'हम' वाली राजनीति की आवश्यकता है। 'हम भारत के लोग' ने अपने लिए एक संविधान बनाया था, यह हर भारतीय को सम्मान और स्वाभिमान से जीने का अधिकार देता है- सबका साझा है यह अधिकार। इस अधिकार को खटाखट और फटाफट वाली घटिया राजनीति का शिकार नहीं होने दिया जा सकता।

घड़ियाल के आंसू ले नेता हुए धांसू

स्वास्थ्य लाभ के बहाने मार्निंग टॉक करता आज भी निकला था कि रास्ते में घड़ियाल मिल गया। जनाब भी मार्निंग वॉक करने के बहाने मार्निंग टॉक करने निकले थे। यही तो वक्त होता है जब चंद लोग सड़क में चलते हुए मिल जाते हैं, उनसे दुआ-सलाम हो जाती है। वर्ना शेष सारा दिन तो खुद ही खुद की सलामती की दुआएं करते रहो। घड़ियाल मेरे हाल-चाल पूछता मेरे साथ साथ चलने लगा तो मैंने उसकी आंखों में झांका। वैसे मैं बहुधा औरों की जेबों में झांका करता हूं। उसकी आंखों में झांका तो लगा, यार! इसकी आंखों से तो आंसू गायब हैं तो अचंभा हुआ। घड़ियाल की आंखें बिन आंसुओं के? मुझे लगा, उसकी आंखों में कहीं कोई दिक्कत विक्कत न हो गई हो। सो उससे पूछ बैठा, 'घड़ियाल भाई! तुम्हारी आंखें कैसी हैं? आखिर क्या हो गया तुम्हारी आंखों को? मेरी समझ से इससे पहले कि आंखों का कुछ का कुछ हो जाए किसी अच्छे से डॉक्टर को अपनी आंखें दिखा लो।' 'ऐसा कुछ नहीं साहब जैसा आप समझ रहे हैं। पर इसके लिए दिल से थैंक यू कि आपने कम से कम मेरी आंखों के बारे में सोचा। मेरी आंखें बिल्कुल ठीक हैं। असल में क्या है न पिछले हफ्ते एक नेताजी मेरे घर आए। दोनों हाथ जोड़े अपनी टोपी मेरे चरणों में रख बोले, 'रे घड़ियाल भाई! अब मेरी जीत तुम्हारे हाथ। तुम तो जानते ही हो कि चुनाव के दिन हैं। चुनाव के दिनों में बात-बात पर जो नेता जनता के आगे जितना रोता है वह उतना ही कुर्सी पर अगले पांच सालों के लिए कुंभकरण हो सोता है। चुनाव प्रचार के दौरान जनता के आगे बात-बात पर रोते-रोते मेरे आंसू खत्म हो गए हैं। अब मैं तुम्हारी शरण में आया हूं।"तो कहिए मैं आपके किस तरह काम आ सकता हूं?' मैंने द्रवित हो नेताजी से पूछा तो वे बोले, 'कुछ दिनों के लिए अपने आंसू उधार दे दो तो चुनाव खत्म होते ही मैं तुम्हें तुम्हारे आंसू सूद सहित लौटा दूंगा।'

राजनीतिक हस्तक्षेप से त्रस्त शिक्षा संस्थान

पाठ्यचर्या संबंधी निर्णय राजनीतिक लक्ष्यों से प्रभावित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, विशेष राष्ट्रीय आख्यानों को आगे बढ़ाने या संवेदनशील विषयों पर सेंसर वार्ता को आगे बढ़ाने की पहल की गई है। यह आलोचनात्मक सोच के साथ-साथ व्यापक शिक्षा को भी बाधित करता है। यदि संकाय और छात्र अलग-अलग राय व्यक्त करने के नकारात्मक परिणामों से डरते हैं तो वे राजनीतिक दबाव के कारण आत्म-सेंसर कर सकते हैं। यह ईमानदार चर्चा और परेशान करने वाली सच्चाइयों की खोज को रोकता है। विडंबना है कि शिक्षा के तमाम पाठ्यक्रम, जिन्हें अब कार्यक्रम कहा जा रहा है, पुराने ढर्रे के हैं। कोई भी शैक्षणिक सुधार पाठ्यक्रम को एकांगी होने के दोष से बचाकर, उच्च शिक्षा तथा शोध का मान उन्नत करके ही संभव है। शोध का मान तब उन्नत होगा, जब गंभीर शोध और सतत अध्ययन का रचनात्मक परिवेश निर्मित हो।

प्रियंका सौरभ

भारतीय उच्च शिक्षा, जो कभी बौद्धिक स्वतंत्रता का प्रतीक थी, राजनीतिक हस्तक्षेप के बढ़ते खतरे का सामना कर रही है। यह हस्तक्षेप अकादमिक उत्कृष्टता की नींव - स्वायत्तता और स्वतंत्रता को कमजोर करता है और अनुसंधान, शिक्षण और छात्र चर्चा पर भयावह प्रभाव डालता है। राजनीतिक हस्तक्षेप से त्रस्त शिक्षा संस्थान, विश्वविद्यालयों में नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए. केंद्र और राज्य सरकारों को इस लक्ष्य को हासिल करने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले और शिक्षा संस्थान राजनीति हस्तक्षेप से मुक्त हों। उन्हें राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं।केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं।

पाठ्यचर्या संबंधी निर्णय राजनीतिक लक्ष्यों से प्रभावित हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, विशेष राष्ट्रीय आख्यानों को आगे बढ़ाने या संवेदनशील विषयों पर सेंसर वार्ता को आगे बढ़ाने की पहल की गई है। यह आलोचनात्मक सोच के साथ-साथ व्यापक शिक्षा को भी बाधित करता है। यदि संकाय और छात्र अलग-अलग राय व्यक्त करने के नकारात्मक परिणामों से डरते हैं तो वे राजनीतिक दबाव के कारण आत्म-सेंसर कर सकते हैं। यह ईमानदार चर्चा और परेशान करने वाली सच्चाइयों की खोज को रोकता है। विडंबना है कि शिक्षा के तमाम पाठ्यक्रम, जिन्हें अब कार्यक्रम कहा जा रहा है, पुराने ढर्रे के हैं। कोई भी शैक्षणिक सुधार पाठ्यक्रम को एकांगी होने के दोष से बचाकर, उच्च शिक्षा तथा शोध का मान उन्नत करके ही संभव है। शोध का मान तब उन्नत होगा, जब गंभीर शोध और सतत अध्ययन का रचनात्मक परिवेश निर्मित हो। यह परिवेश निर्मित कर ही युवा शक्ति को सकारात्मक और सृजनशील ढंग से ऊर्जस्वित किया जा सकता है, पर त्रासदी है कि उच्च शिक्षा की विषय वस्तु और प्रक्रिया प्रायः विदेशी ज्ञान को मानक मानकर की जाती रही है, जिसके परिणामस्वरूप हम अपनी परंपरा से कटकर दूर चले गए हैं। राजनीतिक कारक अनुसंधान निधि और प्रोफेसर पदों के वितरण पर प्रभाव डाल सकते हैं। यह योग्यता को नष्ट करता है और संभावित विवादास्पद अनुसंधान को रोकता है। राजनीतिक हस्तक्षेप से विश्वविद्यालयों की स्वशासन की क्षमता कमजोर हो सकती है। इससे सर्वोत्तम उम्मीदवारों को नियुक्त करने और अपने स्वयं के शैक्षणिक लक्ष्य स्थापित करने की उनकी क्षमता सीमित हो जाती है।

विश्वविद्यालयों ने कभी-कभी प्रशासनिक पदों पर राजनीतिक रूप से संबद्ध व्यक्तियों की नियुक्ति देखी है, जिससे निर्णय लेने में संभावित पूर्वाग्रह के बारे में चिंताएं बढ़ गई हैं। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे।यह विशेष रूप से सामाजिक विज्ञान और मानविकी में देखा जाता है, जहां वरिष्ठ शिक्षाविद भी उस काम को प्रकाशित करने से डरते हैं जिसके बारे में उन्हें लगता है कि इससे राज्य के अधिकारियों से उनके लिए समस्याएं पैदा हो सकती हैं। उदाहरण के लिए, प्रताप भानु मेहता और समीना दलवई जैसे बुद्धिजीवी।सरकारी नीतियों के खिलाफ शांतिपूर्ण छात्र विरोध प्रदर्शनों को कभी-कभी भारी कार्रवाई का सामना करना पड़ता है, परिसर में मुक्त भाषण और असहमति को रोक दिया जाता है। उदाहरण के लिए, टाटा इंस्टीट्यूट ऑफ सोशल साइंसेज (टीआईएसएस) और जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में। कुछ मामलों में, सरकारों ने राजनीतिक रूप से असुविधाजनक समझी जाने वाली पुस्तकों या विषयों को पाठ्यक्रम से हटाने का प्रयास किया है। प्रायः देखा जाता है कि राजनीतिक पसंद-नापसंद के आधार पर सरकारें विश्वविद्यालयों को धन आवंटित करती हैं। राज्याश्रित होने के कारण विश्वविद्यालयों को राजनीतिक दबाव का सामना करना पड़ता है। राज्यों के विश्वविद्यालय संसाधन की कमी के कारण समस्याग्रस्त रहते हैं और सरकार के मुखापेक्षी बने रहते हैं। प्राचीन काल में शिक्षा राज्याश्रित नहीं थी। इसीलिए तब गुरु की स्वतंत्र सत्ता होती थी। तब शिष्यों को नैतिक और बौद्धिक रूप से गुरु गढ़ता था और शिष्य के व्यक्तित्व के निर्माण को अपना धर्म मानता था। आज की शिक्षा न दुराग्रहों से मुक्त है, न राजनीतिक बाधाओं से। आज की शिक्षा समावेशी भी नहीं है। आज तक न तो एकसमान पाठ्यक्रम लागू हो पाया, न एकसमान शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराई गई।

भारत राजनीतिक हस्तक्षेप के जोखिमों को समझकर और सक्रिय उपायों को लागू करके यह गारंटी दे सकता है कि उसकी उच्च शिक्षा प्रणाली बौद्धिक जांच और आलोचनात्मक विचार के लिए एक वास्तविक स्थान बनी रहेगी, जो एक समृद्ध लोकतंत्र और टिकाऊ भविष्य के लिए आवश्यक है। आज अभिभावक अपनी संतान को इस तरह की शिक्षा दिलाते हैं जिनसे करियर बने और यथेष्ठ धनोपार्जन हो। आदर्श स्थिति यह है कि शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थी को बेहतर मनुष्य बनाए। बेहतर मनुष्य ही बेहतर नागरिक होगा, जिसके लिए देश और देशहित सर्वोपरि होगा। केंद्र और राज्य सरकारों को इस लक्ष्य को हासिल करने का उपक्रम करना चाहिए। इसके लिए आवश्यक है कि शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता मिले और शिक्षा संस्थान राजनीति हस्तक्षेप से मुक्त हों। उन्हें राजनीति का अखाड़ा नहीं बनने दिया जाना चाहिए। विश्वविद्यालय शैक्षणिक सुधारों के बजाय राजनीतिक हितों के पोषण का केंद्र न बनने पाएं। केंद्रीय विश्वविद्यालयों में कुलपतियों की नियुक्ति केंद्र सरकार और राज्यों के विश्वविद्यालयों में राज्य सरकारें करती हैं। जिस राज्य में जिस पार्टी की सरकार होती है, वह अपने चहेतों को कुलपति नियुक्त करती है। हर राज्य में इस तरह के उदाहरण हैं। यदि कुलपति की नियुक्ति इस आधार पर होगी कि वह सत्तारूढ़ दल या उसके मुखिया का कितना करीबी है तो क्या उससे शैक्षणिक सुधार लाने की उम्मीद बेमानी नहीं होगी? कहने की जरूरत नहीं कि नियुक्तियां योग्यता और प्रतिभा के आधार पर होनी चाहिए, न कि राजनीतिक पसंद के आधार पर। विश्वविद्यालय मेधाओं का निर्माण करते हैं। यदि राजनीतिक विचारधारा के कारण मेधाओं की उपेक्षा होगी तो उसके घातक परिणाम होंगे।

स्मार्ट जेन को चाहिए स्मार्ट मॉम

आप कामकाजी हैं। बच्चों को क्वालिटी टाइम देती हैं। उनसे हर बात शेयर करती हैं। उनके टच में रहती हैं तो आप इस अपराधबोध से उबर जाएं कि आप अपने बच्चे को पूरा समय नहीं दे पा रही हैं या उसके साथ कोई अन्याय कर रही हैं। इस अपराधबोध से बाहर निकल आएं कि बच्चे बड़े होकर आपको दोषी ठहराएंगे। अब जमाना बदल गया है। न्यू जेनरेशन खुद हो गई है स्मार्ट तो उसे अपनी मॉम भी चाहिए स्मार्ट...

फिफ्थ में पढ़ रही अपनी छोटी सी बेटी से जब मैंने एक बार पूछा कि बेटा मेरा ऑफिस में काम करना आपको बुरा तो नहीं लगता? तो उसने तुरंत जवाब दिया, 'नहीं, मॉम मुझे तो बहुत अच्छा लगता है, सब टीचर्स आपके बारे में पूछती हैं, जब आप स्कूल आती हैं तो प्रिंसिपल भी आपको रेस्पेक्ट देते हैं। मैं प्राउड फील करती हूं।' बेटी की प्रतिक्रिया जानकर मेरे मन से वह अपराधबोध निकल गया जो मुझे हर दम सालता रहता था। उसके बाद से मैंने कॉन्फिडेंट होकर अपना काम किया, बच्चों को क्वालिटी टाइम दिया, उन्हें अपने फैसले खुद करने के काबिल बनाया और आज मेरे बच्चे अच्छे संस्कारों के साथ अपने-अपने फील्ड में बेहतर कर रहे हैं। कभी कोई शिकायत नहीं आई उनकी।' वर्तिका महाजन का ऐसा कहना स्पष्ट करता है कि आज के दौर में बच्चे कामकाजी मां पर गर्व करते हैं। अपने पियर ग्रुप में अपनी मॉम की क्वालिटीज को शेयर करते हैं। अपनी मॉम का परिचय देने में गर्व महसूस करते हैं। स्मार्ट मॉम के इस युग में अब इस अपराधबोध का कोई स्थान नहीं है। न्यू जेनरेशन स्मार्ट है और इस स्मार्ट जेन को स्मार्ट मॉम ही पसंद आती है।

मां तो मां ही है

'मेरे बच्चे बहुत सपोर्टिव हैं, हमेशा पॉजिटिव बात करते हैं। वे हमेशा से मेरे काम को समझते हैं। कोई शिकायत नहीं की उन्होंने कभी, बल्कि जब कभी मैं अपराधबोध फील करती तो वे मुझसे बहुत अच्छी तरह बात करते। मेरा काम कम रहता तो कहते, 'मॉम आज अच्छा नहीं है तो कल बहुत अच्छा होगा।' मेरे मेकओवर स्टूडियो को लेकर अपने ग्रुप में हमेशा प्राउड फील किया उन्होंने। हमारे घर में फ्रेंडली माहौल है। आजकल के स्मार्ट बच्चे अपनी मां की व्यस्तता को बेहतर समझते हैं।' दिल्ली की मेकओवर आर्टिस्ट मीनाक्षी सूद दत्त अपने बच्चों की तरफ से कभी कोई शिकायत नहीं आने की बात कहती हैं। वह कहती हैं, 'मेरे शब्दकोश में निराशा शब्द नहीं है और न ही मेरे बच्चों ने कभी कोई डिप्रेशन महसूस किया। फिर बच्चों का होमवर्क देखना, दिन में बच्चों के साथ फोन पर टच में रहना, किचन देखना जैसी बातें तो हर वर्किंग मॉम के दिमाग में रहती है। मैंने अपने बच्चों को हमेशा अच्छा खाना खिलाया और अगर मैं खाना ना भी बनाऊं और हजार अच्छे काम करूं तो बच्चों को क्या एतराज होगा? उनके लिए मां तो मां ही है। जितनी देर मैं घर में होती हूं, उनकी मां ही होती हूं। लाइफ में कुछ भी बनूं, लेकिन उनकी तो मॉम ही हूं।

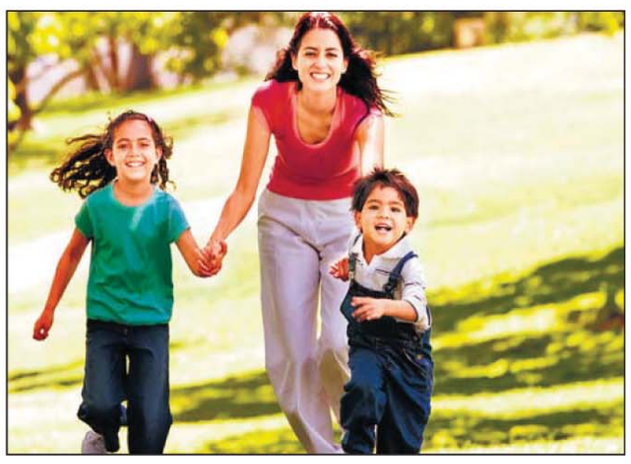

कमंडेबल है मॉम

देखने में आता है कि कामकाजी महिलाओं को हरदम एक अपराध बोध सालता रहता है कि वे अपने बच्चे को छोड़कर काम पर जाती हैं और ऐसा करना बच्चे के साथ नाइंसाफी है। उन्हें लगता है कि बड़ा होने पर बच्चा दोषी ठहराएगा कि मम्मी जब मैं स्कूल से घर आता था तो मुझे घर का ताला खुद खोलना पड़ता था या खाना खुद निकाल कर खाना पड़ता था, जो हमेशा ठंडा हो जाता था या फिर स्कूल की ढेर सारी बातें सुनने के लिए आप मेरे पास नहीं होती थीं। अपने काम और अपनी उम्मीदों को पूरा करने की धुन में लगी कामकाजी महिलाएं दिनभर दफ्तर के काम निपटाती हैं और घर पहुंचते ही इस प्रयास में लग जाती हैं कि बच्चे उनसे अलगाव महसूस न करें। वे यह जरा भी नहीं सोचतीं कि ऐसा भी तो हो सकता है कि बड़े होकर बच्चे उनकी तारीफ करें। कहें कि मेरी मॉम कमंडेबल हैं। उन्होंने अपने फील्ड में जितना डिवोट किया, उतना ही फैमिली को भी टाइम दिया है। स्मार्ट बच्चों के लिए कामकाजी मां होने का मतलब है, एजुकेशन, समाज में एक स्टेटस, आमदनी और जरूरतों की पूर्ति। कई बार बच्चे अपनी मां को अपने दूसरे दोस्तों की मांओं की तरह स्मार्ट मॉम बनने के लिए कहते हैं।

खुश होती है बेटी

'मेरी बेटी अभी छोटी है, मेरे वर्किंग होने पर कितना प्राउड फील करती है, यह बताना तो मुश्किल है, लेकिन उसे यह पता है कि मॉम न्यूजपेपर में आती हैं। वह अपने दोस्तों को बताती है और खुश होती है। ऑफिस आवर्स में वह मेरी मौजूदगी एक्सपेक्ट नहीं करती, लेकिन अगर शाम सात बजे के बाद मुझे कहीं जाना हो तो उसे एक्सप्लेनेशंस देने पड़ते हैं और इसमें कुछ बुरा भी नहीं। इस समय पर उसका अधिकार है। संडे उसके लिए है। वह अपने टाइम को बखूबी पहचानती है।' फैशन डिजाइनर वारिजा बजाज अपनी क्रिएशंस के साथ अपनी बेटी को देने वाले टाइम को लेकर काफी सतर्क हैं। बच्चे और काम के बीच की जद्दोजहद उन्हें कभी परेशान कर जाती है, लेकिन वह प्राथमिकता के आधार पर फैसले लेती हैं। वह कहती हैं, 'कई बार लगता है कि चॉइस डिफिकल्ट है, लेकिन हर चीज की अपनी जगह है। काम महत्वपूर्ण है, लेकिन बच्चे की तुलना भी तो किसी से नहीं की जा सकती, परंतु मेरी जवाबदेही उन लोगों के प्रति भी तो है, जो मेरे साथ काम कर रहे हैं।

स्मार्ट किड्स की पसंद

आज के स्मार्ट किड्स को ऐसी मॉम चाहिए, जो उन्हें फ्रेंड की बर्थ डे पार्टी में ले जाए। नौकरी की भागदौड़ के बावजूद उनकी पीटीएम रेगुलर अटेंड करे। उनके साथ बैडमिंटन खेले। मुश्किल के वक्त बच्चों को दोषी न ठहराए, बल्कि उनको स्ट्रॉन्ग सपोर्ट दे। मॉम की अपनी पहचान हो और पॉकेट मनी देने की भी सामर्थ्य हो। ऐसी स्मार्ट मॉम की कायल है यह स्मार्ट जेन। सातवीं कक्षा में पढ़ने वाली निधि अपनी वर्किंग मॉम को काफी एप्रिशिएट करती हैं। वह कहती हैं, 'मॉम के वर्किंग शेड्यूल के हिसाब से ही हमने अपना शेड्यूल बनाया है। जिस समय वे काम पर होती हैं, हम ट्यूशन और होम वर्क निपटा लेते हैं। उनके घर आने पर हम पूरी फैमिली एंजॉय करते हैं। मेरी मॉम ज्यादा रोका-टोकी नहीं करती। हमारी जरूरतों का पूरा ख्याल रखती हैं। बातों को पूरा वैल्यू देती हैं। फिर क्यों हम अपनी मॉम से कोई शिकायत करें।'

रोज एक घंटा टीवी देखने से बढ़ सकता है मधुमेह का खतरा

टीवी के सामने बिताया जाने वाला हर एक घंटा मधुमेह का रोग होने के खतरे को तीन प्रतिशत तक बढाता है। एक नए अध्ययन में इस बारे में चेताया गया है। वर्ष 2002 में छपे एक अध्ययन मधुमेह की रोकथाम में भाग लेने वाले प्रतिभागियों के डेटा का शोधार्थियों ने इस अध्ययन में प्रयोग किया। इस अध्ययन में 1996 से 1999 के बीच 3,234 मोटापे से ग्रस्त 25 साल से ज्यादा उम्र के अमेरिकी वयस्कों को शामिल किया गया था।

ताजा अध्ययन डायबिटोलोजिया नाम के जर्नल में प्रकाशित हुआ है। यह अध्ययन समय के साथ मधुमेह पर सुस्त व्यवहार के प्रभाव का परीक्षण करता है। उम्र, लिंग, इलाज और सुस्त शारीरिक गतिविधि में बिताए गए समय के समायोजन के बाद टीवी देखने में बिताए गये हर एक घंटे से सभी तरह का इलाज ले रहे प्रतिभागियों में मुधमेह के बढने के खतरे में लगभग 3.4 प्रतिशत तक की वद्धि देखी गई। युनिवर्सिटी ऑफ पिटसबर्ग की एक वरिष्ठ लेखिका डॉक्टर एंड्रिया क्रिस्का ने इसे एक उल्लेखनीय खोज बताया।

ताकि रोमांस न हो कम

आजकल की भागदौड़ भरी जिंदगी में पति हो या पत्नी दोनों अपने काम में इतने व्यस्त रहते हैं कि उन दोनों के पास ज्यादा समय नहीं होता कि एक दूसरे के साथ बैठकर ज्यादा समय व्यतीत कर सकें जिस कारण उनके दांपत्य जीवन में भी बेरियत आने लगती हैं। अगर आपकी जिंदगी में भी कुछ ऐसा चल रहा हैं तो क्यों न अपनी लाइफ में कुछ बदलाव लाकर अपनी लाइफ को रोमांटिक बना दें और ऐसा करने से न सिर्फ आपके रिश्ते में गर्माहट आएगी और आपकी लाइफ ओर ज्यादा रोमांटिक हो जाएगी और बोरियत खत्म हो जाएगी।

पति से करें फ्लर्ट

शादी के बाद भी अगर आपको अपने रिश्ते में किसी बात की कमी महसूस होती हैं तो दांपत्य जीवन को ओर रोमांटिक बनाने के लिए काम करते समय पति के कान में कुछ रोमांटिक बात कहकर वहां से धीरे से चले जाएं या जब आपके पति अकेले हो तो आंखों से इशारा भी कर सकती हैं या हल्की छेड़छाड़ भी कतर सकती हैं और पति अगर ऑफिस में हो तो उन्हें कोई रोमांटिक मेसैज भी भेज सकती हैं।

माहौल बनाएं बेहतर

अपने रिश्तों को ओर बेहतर बनाने के लिए अपने बेडरुम का माहौल कुछ ऐसा बनाएं जिससे आपका मन रोमांटिक बन जाएं और अपने बेडरुम में अपने पति के साथ थोड़ी मस्ती करते वक्त उनकी आंखें बंद करके थोड़ा प्यार करें।

प्रोफेशनल लाइफ को पर्सनल लाइफ से हमेशा रखें दूर

अपने रिश्तों में रोमांस को बढाने के लिए अपनी प्रोफेशनल लाइफ को हमेशा पर्सनल लाइफ से दूर रखें ताकि जिस दिन आपके पति घर पर हो उस दिन भी वो सारा दिन ऑफिस के काम में ही बिजी न रहें उनको भी आपके साथ थोड़ा समय व्यतीत करना चाहिए।

कई रोगों की है एक दवा टमाटर

ब्लड शुगर पर नियंत्रण :

टमाटर में उच्च क्रोमियम तत्व होते हैं जो ब्लड शूगर कंट्रोल करने में मदद करते हैं। मधुमेह के मरीजों के लिए टमाटर नाश्ते के तौर पर बढिया विकल्प है। जब शूगर का स्तर गिर जाता है तो मरीज उदास, सुस्त, चिड़चिड़ा और भूखा हो जाता है। इस दौरान मरीज कुछ भी खा लेने की मनःस्थिति में आ जाते हैं। तेज भूख लगने से पहले एक टमाटर खाने से अनाप-शनाप खाने की इच्छा पर काबू पाया जा सकता है।

दिल का दोस्त

टमाटर में पाए जाने वाले पोटाशियम और विटामिन 'बी' के कारण वह बहुत अच्छे से कोलैस्ट्रॉल के स्तर को नीचे लाने में मदद करते हैं। साथ ही ये स्ट्रोक और हार्ट अटैक का जोखिम भी कम करते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद

टमाटर खाने वालों की आंखें सेहतमंद होती हैं। टमाटर में विटामिन 'ए' की मात्रा खूब होती है जिससे दिन और रात के दौरान नजर अच्छी हो जाती है। अगर आप आने वाले कई सालों तक अपनी नजर को तेज रखना चाहते हैं तो टमाटर मददगार हो सकता है।

त्वचा और बालों के लिए

टमाटर में लाइकोपेन होता है जिसका इस्तेमाल चेहरा साफ करने वाले पदार्थों में किया जाता है। इसका छिलका उतारकर चेहरे पर 10 मिनट तक मास्क की तरह रख सकते हैं। बालों में चमक बढाने के लिए टमाटर को मसल कर अपने बालों में लगाएं, बाल चमकदार हो जाएंगे। टमाटर खाने से बाल जड़ों से मजबूत होते हैं।

कैंसर से बचाने वाला

कैंसर की रोकथाम के लिए टमाटर में कई लाभकारी गुण हो सकते हैं। टमाटर में उच्च लाइकोपीन तत्व न सिर्फ त्वचा और बालों के लिए फायदेमंद है बल्कि वह पेट के कैंसर और कोलोरैक्टल कैंसर के जोखिम को कम करता है, साथ ही पुरुषों में प्रोस्टेट कैंसर का खतरा कम करता है।

कच्चा टमाटर बेहतर

इसमें एंटीऑक्सीडैंट्स भी होते हैं। विटामिन 'सी' का जो फायदा कच्चे टमाटर से मिलता है वह चूल्हे पर पकाए टमाटर से नहीं मिलता। बेहतर फायदे के लिए कच्चे और पकाए हुए टमाटर के मिश्रण का सेवन करना चाहिए।

मजबूत हड्डी

टमाटर विटामिन 'के' और कैल्शियम से भी भरपूर हैं जो हड्डियां मजबूत करने में मदद करते हैं। ये तत्व अस्थियों के ऊतकों की मुरम्मत में सहायता करते हैं।

आंखों में बदलाव बीमारी का संकेत

आंख की पुतली में अगर सफेद घेरा या चमक दिखाई दे तो यह मोतियाबिंद का लक्षण हो सकता है बीमार होने पर डॉक्टर सबसे पहले आंखों की जांच करते हैं। ऐसा इसलिए किया जाता है कि कई रोगों के बारे में जानकारी आंखों से ही मिलती है। आइए जानते हैं आंखों में किसी भी तरह का बदलाव होने से कौनसी बीमारियों का पता लगाया जा सकता है

काला मोतिया

लंबे समय या अचानक शाम के वक्त आंख में दर्द और भारीपन महसूस होने पर लालिमा दिखने से काला मोतिया होने की आशंका रहती है।

एलर्जी

आंखों में एलर्जी होना सामान्य बात है जिसका आंख की गुलाबी रंगत से पता लगाया जा सकता है। एलर्जी किसी भी प्रकार की हो सकती है जैसे धूल-मिट्टी और धूप से भी।

आइराइटिस

कई बार शरीर में चोट लगने या रोग होने के कारण आंख के पीछे वाले पर्दे पर सूजन, जलन और भारीपन महसूस होने लगता है जिससे आंख का रंग बदलकर बैंगनी हो जाता है। इस समस्या को आइराइटिस कहते हैं।

गुहैरी

कई बार आंख के अंदरूनी या बाहरी भाग में इंफेक्शन होने के कारण दर्दभरी फुंसी हो जाती है जिसे गुहैरी कहते हैं। ऐसे में आंख बंद करने में परेशानी महसूस होती है।

ब्लिफरिट्स

आंखों की पलकों के किनारे इंफेक्शन होने पर जब सूखापन, खिंचाव, सूजन और आंखों को खोलने व बंद करते समय दर्द महसूस हो तो इस समस्या को ब्लिफरिट्स कहते हैं।

डायबिटीज

यदि आंखों के पर्दे (रेटिना) में फीकापन, सफेद धब्बे बनना, खून की नसें फूलना, खून के थक्के बनना और झिल्ली के बनने जैसे लक्षण हों तो एनीमिया, किडनी रोग, डायबिटीज और ब्लड प्रेशर की समस्याएं हो सकती हैं।

मोतियाबिंद

आंख की पुतली में अगर सफेद घेरा या चमक दिखाई दे तो यह मोतियाबिंद का लक्षण हो सकता है। इसमें व्यक्ति को धुंधलापन, हल्का दर्द और सूजन होने लगती है।

कॉर्निया में समस्या

इसमें कॉर्निया पर चोट या खरोच आने की वजह से आंखों से पानी आने लगता है और रोशनी की तरफ देखने से असहनीय दर्द होता है।

केकेआर के लिए लकी साबित हुआ एसआरएच

नई दिल्ली। श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली कोलकाता नाइट राइडर्स का आईपीएल 2024 में सफर शानदार रहा है। केकेआर की टीम ने क्वालीफायर-1 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद को 8 विकेट से धूल चटाई। इस मैच में जीत हासिल करने के बाद केकेआर की टीम आईपीएल 2024 के फाइनल में पहुंचने वाली पहली टीम बनीं।

टूर्नामेंट में अपने अभियान का जीत के साथ आगाज करने वाली केकेआर की टीम के दो मैच बारिश से प्रभावित रहे। केकेआर के मेंटर गौतम गंभीर ने इस सीजन में सुनील नरेन को ओपनिंग के लिए उतारा और बतौर ओपनर सुनील ने इस सीजन बल्ले से धमाका किया और टीम को हर मैच में एक मजबूती दिलाई। ऐसे में आईपीएल 2024 के फाइनल मैच से पहले आइए बताते हैं केकेआर का आईपीएल 2024 का अब तक का सफर कैसा रहा?

आईपीएल 2024 में कोलकाता नाइट राइडर्स का सफर

कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल 2024 में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया था। केकेआर ने सनराइजर्स हैदराबाद को मौजूदा सीजन में अपने पहले मैच में 4 रन से हराया था।

केकेआर टीम ने आईपीएल 2024 में अपने दूसरे मैच में आरसीबी को 7 विकेट से धूल चटाई।

केकेआर ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ अपने तीसरे मैच में 106 रन से जीत हासिल की।

केकेआर को सीएसके के हाथों मौजूदा सीजन में 7 विकेट की हार मिली। यह केकेआर की मौजूदा आईपीएल सीजन में पहली हार रही।

केकेआर ने फिर लखनऊ सुपर जायटंस को 8 विकेट से रौंदा।

केकेआर ने राजस्थान रॉयल्स के हाथों 2 विकेट से हार का सामना किया। ये उनके मौजूदा सीजन की दूसरी हार रही।

केकेआर ने आरसीबी को 1 रन से हराया और शानदार जीत हासिल की।

केकेआर ने पंजाब किंग्स को आईपीएल 2024 के 42वें मैच में 8 विकेट से मात दी।

कोलकाता नाइट राइजर्स ने दिल्ली कैपिटल्स को आईपीएल 2024 के 47वें मैच में 7 विकेट से रौंदा।

केकेआर को फिर मुंबई इंडियंस को 24 रन से हराया।

केकेआर ने लखनऊ सुपर जायंट्स को 98 रनों से मात दी।

केकेआर ने मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल के 60वें मैच में 18 रन से जीत हासिल की। ये मैच 16 ओवर का रहा, क्योंकि बारिश की वजह से मैच रुका गया था।

केकेआर और गुजरात टाइटंस के बीच आईपीएल 2024 का 63वां मैच बारिश से प्रभावित रहा। ये मैच बारिश की वजह से रद्द हुआ।

इसके बाद केकेआर और राजस्थान रॉयल्स का मैच भी बारिश की वजह से रद्द हुआ। इस मैच में टॉस के बाद फिर से बारिश ने दस्तक दी और ये मैच रद्द किया गया।केकेआर ने क्वालीफायर-1 मैच में सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ 8 विकेट से जीत दर्ज की और आईपीएल 2024 के फाइनल का टिकट हासिल किया।

क्रिकेट जगत में फिर फैला फिक्सिंग का साया

भारत के दो नागरिक भी शामिल एक व्यक्ति गिरफ्तार

नई दिल्ली। 1 से 21 जुलाई के बीच होने वाले लंका प्रीमियर लीग पर स्पॉट फिक्सिंग का साया मंडरा रहा है। बुधवार को दांबुला थंडर्स फ्रेंचाइजी के मालिक तमीम रहमान को मैच फिक्सिंग में शामिल होने के संदेह में गिरफ्तार किया गया। खेल मंत्रालय में खेल से संबंधित अपराधों की रोकथाम के लिए विशेष जांच इकाई के एक अधिकारी ने गिरफ्तारी की पुष्टि की। कोलंबो मजिस्ट्रेट की अदालत ने 31 मई तक तमीम रहमान को हिरासत में भेज दिया है। तमीम ने उनकी फ्रेंचाइजी को बांग्लादेशी उद्यमियों के साथ इंपीरियल स्पोर्ट्स ग्रुप द्वारा खरीदा था। अदालत के आदेश के बाद भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर तमीम रहमान को गिरफ्तार किया गया। मैच फिक्सिंग और सट्टा लगाने के प्रयास से संबंधित देश के खेल अधिनियम के दो प्रावधानों के तहत उनकी जांच की रही थी।

दो भारतीय नागरिक भी शामिल

इसी मामले में भारतीय नागरिक योनी पटेल और पी आकाश को श्रीलंकाई अदालत ने अपने पासपोर्ट जमा करने का आदेश दिया था। दोनों गैर मान्यता प्राप्त लीजेंड क्रिकेट लीग में एक टीम के मालिक हैं। आरोप है कि 8 मार्च के बीच खेले गए लीग मैच में फिक्सिंग की थी। दोनों फिलहाल जमानत पर हैं।

पहला दक्षिण एशियाई देश बना श्रीलंका

श्रीलंका 2019 में पारित कानून के साथ खेलों में मैच फिक्सिंग और भ्रष्टाचार को अपराध मानने वाला पहला दक्षिण एशियाई देश बन गया, जिसमें अधिकतम 10 साल की जेल और जुर्माने का प्रावधान है। 500 स्थानीय और अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों वाले एलपीएल के पांचवें संस्करण की नीलामी मंगलवार को आयोजित की गई।

मथीशा पथिराना रहे सबसे महंगे खिलाड़ी

मथीशा पथिराना, जो हाल ही में आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के लिए खेले थे, अब तक के सबसे महंगे एलपीएल खिलाड़ी बन गए। उन्हें कोलंबो स्ट्राइकर्स ने 2024 सीजन के लिए 120,000 अमेरिकी डॉलर के साथ रिटेन किया है।

विराट कोहली करेंगे रोहित शर्मा संग ओपनिंग

नई दिल्ली। टीम इंडिया अगले महीने टी-20 विश्व कप में अपने अभियान की शुरुआत करेगी, जिसका लक्ष्य आईसीसी ट्रॉफी के अपने 11 साल के सूखे को खत्म करना है।

टूर्नामेंट से पहले भारत की सिलेक्शन प्लानिंग पर अहम अटकलें हैं, जिदनमें एक बड़ा टॉकिंग पॉइंट टॉप ऑर्डर है, जिसके स्पॉट लाइट में विराट कोहली हैं, जो मौजूदा आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए सलामी बल्लेबाज के रूप में शानदार फॉर्म में हैं और 14 पारियों में 708 रन बना चुके हैं, उनके प्रभावशाली रन टैली के बावजूद, शीर्ष क्रम में उनके स्ट्राइक रेट के बारे में सवाल उठते रहते हैं, जिससे इस बात पर चर्चा होती है कि क्या उन्हें नेशनल टीम के लिए सलामी बल्लेबाज की भूमिका बरकरार रखनी चाहिए।

लेफ्ट हैंडर्स की टीम में कमी

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग के अनुसार, कोहली भारतीय टीम के लिए पहली पसंद में से एक होंगे, जिसमें वह कप्तान रोहित शर्मा के साथ बल्लेबाजी की शुरुआत करेंगे। पोंटिंग ने आईसीसी को बताया, चयनकर्ताओं को अभी भी निर्णय लेना है क्योंकि यशस्वी जायसवाल उस टीम में हैं और एक चीज जो उनकी टीम में ज्यादा नहीं है वह है बाएं हाथ के बल्लेबाज। तो उन्हें जायसवाल के साथ फैसला लेना है, लेकिन मुझे पूरा यकीन है कि वो कोहली और रोहित शर्मा की जोड़ी को बतौर ओपनर इस्तेमाल करेंगे।

सूर्या-रोहित किस लिए हैं?

रिकी पोंटिंग ने कोहली की आलोचना के बारे में विस्तार से बात की, लेकिन जोर देकर कहा कि भारत को उनके आसपास सही लोगों को रखने की जरूरत है जो आक्रामक खेल सकें। पोंटिंग कहते हैं, विराट के साथ यह मजेदार है। मुझे लगता है कि भारत में लोग हमेशा उसे न चुनने का कारण ढूंढने की कोशिश करते हैं या ऐसा कारण ढूंढने की कोशिश करते हैं कि वह शायद टी-20 खेल में इन कुछ अन्य लोगों जितना अच्छा क्यों नहीं है। कोहली भारत के लिए मेरी पहली पसंद हैं। वह टॉप ऑर्डर में अहम भूमिका निभा सकता है और अगर आपके पास सूर्यकुमार यादव और रोहित शर्मा जैसे हाई स्ट्राइक रेट बल्लेबाज हैं तो उसे ज्यादा आजादी भी मिल सकती है। पिछले कुछ आईपीएल मैच में भारत के अनुभवी बल्लेबाज ने जबरदस्त स्ट्राइक रेट से खेला है। उन्होंने ग्रुप स्टेज में पंजाब किंग्स पर आरसीबी की जीत में सिर्फ 47 गेंदों में 92 रन बनाए और चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच में 42 रन की तेज पारी खेलकर अपनी टीम को मजबूत शुरुआत दी।

आलोचनाओं से घिरे भारतीय क्रिकेटर के सपोर्ट में आए युवराज सिंह

कहा- टी-20 वर्ल्डकप में कुछ स्पेशल करेगा

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व ऑलराउंडर युवराज सिंह ने हार्दिक पांड्या का समर्थन किया है, जो इस समय आलोचनाओं से घिरे हुए हैं। युवराज सिंह ने कहा कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या से कुछ विशेष आएगा। भारतीय टीम टी20 वर्ल्ड कप में अपने अभियान की शुरुआत 5 जून को आयरलैंड के खिलाफ करेगी। टी20 वर्ल्ड कप के दूत युवराज सिंह ने भारतीय टीम के बारे में अपनी राय रखी। 2007 टी20 वर्ल्ड कप में भारतीय टीम के हीरो युवराज सिंह ने कहा कि वो रोहित शर्मा के नेतृत्व वाली टीम को ट्रॉफी उठाते हुए देखना चाहते हैं। भारत ने 2007 के बाद से दोबारा कभी टी20 वर्ल्ड कप खिताब नहीं जीता है।

पांड्या का किया समर्थन

बता दें कि मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या इस समय आलोचनाओं से घिरे हुए हैं। हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन भी उम्मीद के मुताबिक अच्छा नहीं रहा। उन्होंने 14 मैचों में 216 रन बनाए। युवराज सिंह ने कहा कि हार्दिक पांड्या आगामी टूर्नामेंट में कुछ बेहतरीन प्रदर्शन करके दिखाएंगे। युवराज सिंह के हवाले से आईसीसी ने कहा, अच्छी बात यह है कि टीम का चयन हो चुका है। बीसीसीआई चयनकर्ता समिति ने देखा कि कैसे खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में प्रदर्शन किया और फिर उनके आईपीएल फॉर्म को देखा। सिर्फ आईपीएल फॉर्म को नहीं देखा।

हार्दिक से धमाकेदार प्रदर्शन की उम्मीद

युवराज सिंह ने साथ ही उम्मीद जताई कि आगामी टी20 वर्ल्ड कप में हार्दिक पांड्या कमाल का प्रदर्शन करेंगे क्योंकि वह फिट हैं और उनकी मौजूदगी टीम के लिए अहम हैं। युवी ने कहा, अगर आप सिर्फ आईपीएल के फॉर्म को देखें तो हार्दिक ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। भारत के लिए जो हार्दिक ने किया है, वो उसके बल पर स्क्वाड में हैं। मेरे ख्याल से उनकी गेंदबाजी महत्वपूर्ण रहने वाली है। मेरे ख्याल से वो विश्व कप में कुछ विशेष करेंगे।

देश की नई सरकार को आरबीआई से मिलेगा 2.11 लाख करोड़ रुपये का चेक

केंद्रीय बैंक ने पहली बार उठाया यह कदम

नई दिल्ली। आम चुनाव 2024 के परिणामों के बाद देश में बनने वाली नई सरकार को भारतीय रिजर्व बैंक की तरफ से बड़ा तोहफा मिलेगा। केंद्रीय बैंक के बोर्ड ने पहली बार सरकार को लाभांश के रूप में 2.11 लाख रुपये देने का फैसला किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार की बैठक में वित्त वर्ष 2024 के लिए केंद्र सरकार के लिए 2.11 लाख करोड़ रुपये के लाभांश (dividend) को मंजूरी दी, जो वित्त वर्ष 23 की तुलना में लगभग 141 प्रतिशत अधिक है।

वित्तीय वर्ष 2023 में केंद्रीय बैंक ने केंद्र सरकार को अधिशेष के रूप में 87,416 करोड़ ट्रांसफर किए थे। मुंबई में बुधवार को आयोजित केंद्रीय बोर्ड की 608वीं बैठक के दौरान केंद्रीय बैंक के निदेशक मंडल ने दृष्टिकोण के जोखिम सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान बोर्ड ने सरकार को 2,10,874 करोड़ रुपये का अधिशेष हस्तांतरित करने का फैसला किया।

भारतीय रिजर्व बैंक ने बुधवार को 2023-24 के लिए केंद्र सरकार को 2.11 लाख करोड़ रुपये के अब तक के सर्वाधिक लाभांश भुगतान को मंजूरी दी। आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश या अधिशेष हस्तांतरण के तौर पर वित्त वर्ष 2022-23 के लिए 87,416 करोड़ रुपये दिए गए गए थे। इससे पहले 2018-19 में सबसे अधिक 1.76 लाख करोड़ रुपये की राशि आरबीआई की ओर से केंद्र को लाभांश के तौर पर दी गई थी।

गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई बैठक

भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में आज मुंबई में भारतीय रिजर्व बैंक के केंद्रीय निदेशक मंडल की 608वीं बैठक आयोजित की गई। बोर्ड ने दृष्टिकोण के जोखिमों सहित वैश्विक और घरेलू आर्थिक परिदृश्य की समीक्षा की। बोर्ड ने वर्ष अप्रैल 2023- मार्च 2024 के दौरान रिज़र्व बैंक के कामकाज पर भी चर्चा की और वर्ष 2023-24 के लिए रिज़र्व बैंक की वार्षिक रिपोर्ट और वित्तीय विवरणों को मंजूरी दी। समिति ने सिफारिश की है कि आकस्मिक जोखिम बफर के तहत जोखिम प्रावधान RBI की बैलेंस शीट के 6.5 से 5.5 प्रतिशत की सीमा के भीतर बनाकर रखा जाए।

केंद्र ने राजकोषीय घाटा 17.34 लाख करोड़ रुपये रखने का रखा है लक्ष्य

केंद्र सरकार का लक्ष्य चालू वित्त वर्ष के दौरान राजकोषीय घाटे या व्यय और राजस्व के बीच अंतर को 17.34 लाख करोड़ रुपये (जीडीपी का 5.1 प्रतिशत) पर रखना है। 2024-25 के अंतरिम बजट में, सरकार ने RBI और सार्वजनिक क्षेत्र के वित्तीय संस्थानों से 1.02 लाख करोड़ रुपए की लाभांश आय का अनुमान लगाया है।

एयरलाइन ने किया एलान

स्पाइसजेट कलानिधि मारन व केएएल एयरवेज से 450 करोड़ रुपये वापस मांगेगी

नई दिल्ली। विमानन कंपनी स्पाइसजेट ने बुधवार को बताया कि वह दिल्ली उच्च न्यायालय के फैसले के बाद एयरलाइन के पूर्व प्रवर्तक कलानिधि मारन और उनकी कंपनी केएएल एयरवेज को भुगतान किए गए कुल 730 करोड़ रुपये में से 450 करोड़ रुपये वापस मांगेगी। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उस आदेश को 17 मई को रद्द कर दिया था, जिसमें मीडिया दिग्गज कलानिधि मारन को 579 करोड़ रुपये ब्याज के साथ लौटाने का स्पाइसजेट और उसके प्रवर्तक अजय सिंह को निर्देश दिया गया था। अदालत की खंडपीठ ने एकल पीठ के 31 जुलाई 2023 के आदेश को चुनौती देने वाली सिंह और स्पाइसजेट की तरफ से दायर अपील को स्वीकार कर लिया। साथ ही मध्यस्थ निर्णय को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर नए सिरे से विचार करने के लिए मामले को संबंधित अदालत में वापस भेज दिया। इस फैसले के बाद एयरलाइन ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि वह मारन और केएएल एयरवेज को भुगतान किए गए 730 करोड़ रुपये में से 450 करोड़ रुपये वापस मांगेगी। एयरलाइन ने कहा, स्पाइसजेट ने मारन और केएएल एयरवेज को कुल 730 करोड़ रुपये का भुगतान किया है, जिसमें मूलधन के 580 करोड़ रुपये और ब्याज के अतिरिक्त 150 करोड़ रुपये शामिल हैं। विवादित आदेश को रद्द करने के साथ ही स्पाइसजेट को 450 करोड़ रुपये वापस मिलना तय है।

पेटीएम का घाटा चौथी तिमाही में बढ़कर 550 करोड़ रुपये हुआ

नई दिल्ली। फिनटेक कंपनी वन97 कम्युनिकेशंस का वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में घाटा बढ़कर 550 करोड़ रुपये हो गया। पिछले साल इसी अवधि में घाटा 167.5 करोड़ रुपये था। वन97 कम्युनिकेशंस के पास पेटीएम ब्रांड का स्वामित्व है।

कंपनी ने बुधवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि परिचालन आय 2.8 प्रतिशत घटकर 2,267.1 करोड़ रुपये हो गई, पिछले साल समान अवधि में यह 2,464.6 करोड़ रुपये थी।

समूचे वित्त वर्ष 2023-24 में कंपनी का घाटा कम होकर 1,422.4 करोड़ रुपये रह गया। यह वित्त वर्ष 2022-23 में घाटा 1,776.5 करोड़ रुपये था। पेटीएम का वार्षिक राजस्व करीब 25 प्रतिशत बढ़कर 9,978 करोड़ रुपये हो गया, यह 2022-23 में 7,990.3 करोड़ रुपये था। भारतीय रिज़र्व बैंक (आरबीआई) ने 15 मार्च से व्यापारियों सहित ग्राहकों के हित को ध्यान में रखते हुए पेटीएम पेमेंट्स बैंक लिमिटेड (पीपीबीएल) को किसी भी ग्राहक खाते, वॉलेट और फास्टैग में जमा, क्रेडिट लेनदेन या टॉप-अप स्वीकार करने से रोक दिया है। पेटीएम ने पीपीबीएल पर आरबीआई के प्रतिबंध से 300-500 करोड़ रुपये के नुकसान होने का अनुमान लगाया था।

ईडी की रियल एस्टेट कंपनी आईआरईओके खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 59 करोड़ की संपत्ति अटैच की

नई दिल्ली। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रियल एस्टेट कंपनी आईआरईओ की 59 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच की है। ईडी अब तक इस मामले में कंपनी और अन्य की 1300 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर चुकी है। आईआरईओ कंपनी और इसके प्रमोटर्स के खिलाफ ईडी बीते कई वर्षों से जांच कर रही है।

कंपनी और इसके प्रमोटर्स पर आरोप है कि उन्होंने घर खरीददारों को मकान, प्लॉट और कमर्शियल जगह बेचने का वादा कर उनसे पैसे लिए और न तो उन्हें घर दिए और न ही उनके पैसे वापस किए। ईडी ने आईआरईओ कंपनी और अन्य के भूमि पार्सल के साथ ही कुछ बैंक खातों में जमा रकम को

अटैच किया है। जिनकी कुल कीमत करीब 59 करोड़ रुपये है। कंपनी के निदेशकों पर आरोप है कि उन्होंने खरीददारों के पैसों को अपने निजी फायदे के लिए इस्तेमाल किया और उनसे शेयर खरीद, एफसीडी आदि की खरीद की। साथ ही अपनी सहयोगी कंपनियों और लोगों को कर्ज दिए।

कंपनी के मैनेजर्स को बहुत ज्यादा इंसेटिव्स दिए। आरोप है कि कंपनी के निदेशकों और प्रमोटर्स ने खरीददारों के पैसों को डायवर्ट किया, जिसकी कीमत 1780 करोड़ रुपये है। ईडी ने इस मामले में आईआरईओ के प्रमोटर ललित गोयल और रूप बंसल को गिरफ्तार किया था। ईडी ने इस मामले में दो चार्जशीट दायर की हैं।

घायल को पैंट पकड़कर स्ट्रेचर से पटका, जांच में पुष्टि

वार्ड बॉय पर एफआईआर, पुलिसकर्मी लाइन हाजिर

दमोह। दमोह जिला अस्पताल में घायल मरीज के साथ अमानवीय व्यवहार करने के मामले में पुलिस ने वार्ड बॉय रोहित राठौर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर ली है। उस पर आईपीसी की धारा 336 के तहत मामला दर्ज किया है। उस समय मौजूद रहे प्रधान आरक्षक नीरज श्रीवास्तव को एसपी ने लाइन अटैच कर दिया है। मामला तो एक माह पुराना है। दो दिन पहले घायल मरीज ने सीसीटीवी फुटेज प्राप्त कर वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था।

एसपी और कलेक्टर से जांच की मांग की गई थी। कोतवाली थाना क्षेत्र के इंदिरा कॉलोनी इलाके में रहने वाले भवानी साहू नाम के युवक का कहना है कि 28 अप्रैल की रात घंटाघर पर उसका एक्सीडेंट हुआ था। डायल 100 ने उसे अस्पताल पहुंचाया। वहां अस्पताल के वार्ड बॉय रोहित राठौर ने उसके साथ अमानवीय व्यवहार किया। अस्पताल के मुख्य द्वार के पास बनी एक सीमेंट की बेंच पर लाकर पटक दिया। प्रधान आरक्षक नीरज श्रीवास्तव भी वहां मौजूद था।

कलेक्टर ने सिविल सर्जन डॉक्टर राजेश नामदेव को जांच के निर्देश दिए थे, जिसकी जांच हो चुकी है। वार्ड बॉय रोहित राठौर ने बताया कि जिस युवक ने आरोप लगाए हैं, वह शराब के नशे में था। इलाज करते समय सभी से गाली-गलौज कर रहा था। इलाज करने के बाद उसे बाहर लाकर बेंच पर लिटा रहे थे, तभी हाथ फिसला क्योंकि उसका वजन अधिक था।

वार्ड बॉय ने बताया कि शिकायतकर्ता युवक आए दिन शराब के नशे में अस्पताल में भर्ती हो जाता है। जिस दिन का यह घटनाक्रम है, उस रात आठ बजे वह अपनी पत्नी के साथ भर्ती होने आया था। फिर लौट गया था। रात करीब दो बजे एक्सीडेंट के बाद वह फिर अस्पताल आया था। हमने उसका पूरा इलाज किया था। फिर बाहर बेंच पर लिटा दिया था।

वीडियो से मचा था हड़कंप

मामला एक महीने पुराना है। दो दिन पहले जब भवानी ने सीसीटीवी फुटेज हासिल किए और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल किए तो हड़कंप मच गया। वीडियो में दिख रहा है कि वार्ड बॉय ने भवानी की पेंट पकड़कर स्ट्रेचर से सीमेंट की पट्टी पर पटका। इससे वह नीचे लटक गया था। उस समय प्रधान आरक्षक नीरज श्रीवास्तव भी वहां था। उसके बाद वार्ड बॉय ने पैर फंसाकर घायल के नीचे से गद्दी निकाली थी। अंदर मलहम-पट्टी करते समय भी मारपीट की थी। वीडियो वायरल होने के बाद कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर ने जांच के निर्देश दिए थे। बुधवार को वार्ड बॉय पर मामला दर्ज हो गया। एसपी श्रुत कीर्ति सोमवंशी ने जिला अस्पताल में घायल के साथ हुई बर्बरता को देखते हुए वार्ड बॉय रोहित राठौर के खिलाफ कोतवाली में धारा 336 (मानव जीवन को संकट में डालना) के तहत मामला दर्ज किया गया है और प्रधान आरक्षक नीरज श्रीवास्तव को लाईन अटैच करते हुए सीएसपी को जांच करने निर्देश दिए हैं।

पीने के पानी को तरस गया इंदौर, ट्यूबवेल सूख गए

टैंकर के भरोसे शहर की पांच लाख की आबादी

इंदौर। पश्चिम क्षेत्र की छह टंकियां यशवंत सागर तालाब के पानी से भरी जाती है। तालाब में 16 फीट पानी है, जो मानसून आने तक जलापूर्ति के लिए पर्याप्त है, लेकिन जिन 25 प्रतिशत क्षेत्रों में नर्मदा लाइन नहीं है, वहां टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है। इंदौर में गर्मी के तेवर लगातार तीखे हो रहे है। इस कारण जलसंकट भी गहराने लगा है। शहर के निजी व सार्वजनिक बोरिंग साथ छोड़ने लगे है। ज्यादातर बोरिंगों में पानी की दबाव कम हो चुका है। इस कारण अब टैंकरों की डिमांड बढ़ गई है। कई अपार्टमेंट में तो रहवासी टैंकर खरीदने को मजबूर है।

शहर का 75 प्रतिशत इलाका नर्मदा के पानी के भरोसे है। इस माह चार बार पंपों में खराबी आने के कारण शहर की जलापूर्ति व्यवस्था प्रभावित हुई है और शहरवासियों को जलसंकट का सामना करना पड़ा। शहर में नर्मदा से 500 एमएलडी पानी आता है,लेकिन पंपों की खराबी के कारण टंकियां पूरी नहीं भर पा रही है और नल कम दबाव से आ रहे है।

पश्चिम क्षेत्र की छह टंकियां यशवंत सागर तालाब के पानी से भरी जाती है। तालाब में 16 फीट पानी है, जो मानसून आने तक जलापूर्ति के लिए पर्याप्त है, लेकिन जिन 25 प्रतिशत क्षेत्रों में नर्मदा लाइन नहीं है, वहां टैंकरों से पानी पहुंचाया जा रहा है।

शहर में 300 से ज्यादा टैंकरों से जल वितरण हो रहा है। चंदन नगर, बाणगंगा, देव नगर, गणराज नगर, मुसाखेड़ी जैसे इलाकों में ज्यादा जलसंकट है। जल कार्य समिति प्रभारी अभिषेक शर्मा बबलू ने बताया कि बड़े वार्डों में तीन से चार टैंकर दिए गए है।

दलित समाज की भावना आहत करने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल

शाजापुर। शाजापुर जिले में सोशल मीडिया पर एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है, जिसमें एक युवक ने चंद्रशेखर आजाद पर टीका टिप्पणी की है और नीला गमछा पहनने पर दलित समुदाय के लोगों को अशब्द भी कहे। मामले की जानकारी भीम आर्मी

भीम आर्मी ने दिया ज्ञापन

जिला प्रभारी अजय अहिरवार को लगी तो उन्होंने एक शिकायती आवेदन पुलिस थाना शुजालपुर मंडी के नाम सौंपा है।

जिसमें कहा गया कि उक्त वीडियो से चंद्रशेखर आजाद के समर्थकों में आक्रोश है और इससे दलित समुदाय के लोगों की भावना आहत हुई है। यदि, वायरल वीडियो में दिखाएं दिए शख्स के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज नहीं हुआ तो भीम आर्मी शुजालपुर में उग्र आंदोलन करेगी।

पुलिस के हत्थे चढ़े चंदन चोर, गूगल मैप से तलाशते थे लोकेशन, फिर सरकारी बंगलों से गायब कर देते थे पेड़

खंडवा। कोतवाली थाना प्रभारी दिलीप सिंह देवड़ा ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पहले गूगल मैप से बड़े अधिकारियों के बंगलों की लोकेशन सर्च करते थे। फिर ऑनलाइन ही बैठे-बैठे मैप के दिख रहे पेड़ों के पत्तों में से चंदन का पेड़ पहचान लेते थे।

मध्यप्रदेश के खंडवा की कोतवाली पुलिस ने चंदन के पेड़ों की चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। गिरोह के ये सदस्य ऑनलाइन ही गूगल मैप की मदद से बड़े बंगलों की लोकेशन सर्च करते, फिर वहां दिख रही हरियाली के बीच चंदन के पेड़ की पहचान उसकी पत्तियों से करते थे, जिसके बाद मौके पर जाकर कन्फर्म करते और आधुनिक उपकरण लेकर चंद मिनटों में बारीक ब्लेड से पेड़ की कटाई कर फरार हो जाते थे। हालांकि, कुछ दिन पहले ही इस गिरोह का एक सदस्य पुलिस गिरफ्त में आया था, जिसके बाद अब दो और सदस्यों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

खंडवा के सिविल लाइन क्षेत्र में बेहद सुरक्षित माने जाने वाले अधिकारियों के बंगलों के बीच बीते 15 फरवरी को प्रधान जिला न्यायाधीश के बंगले के साथ ही जिले के होमगार्ड ऑफिस के कैंपस में चोरी की वारदात हुई थी, जिसमें चोरों ने यहां लगे चंदन के पेड़ काटकर ले गए थे। वारदात के बाद से ही पुलिस मामले की जांच में जुटी थी और अब पुलिस ने औरंगाबाद के अजंता थाना क्षेत्र के घाटम्बरी से दो आरोपी मसीद उर्फ मजीद और नदीम को गिरफ्तार किया है। बता दें कि इससे पहले गैंग के एक अपराधी जावेद को पहले ही गिरफ्तार किया जा चुका है। अब पुलिस गैंग के कुछ अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी है।

गूगल मैप से तलाशते थे चंदन के पेड़

इधर, मामले की जानकारी देते हुए कोतवाली थाना प्रभारी दिलीप सिंह देवड़ा ने बताया कि पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि आरोपी पहले गूगल मैप से बड़े अधिकारियों के बंगलों की लोकेशन सर्च करते थे, और ऑनलाइन ही बैठे-बैठे मैप के दिख रहे पेड़ों के पत्तों में से चंदन का पेड़ पहचान लेते थे। उसके बाद बाइक से आकर इन्होंने वारदात को मात्र आठ मिनट में अंजाम दिया और एक पतली आरी से इन्होंने ये पेड़ काटे थे।

चंदन का तेल है 50 हजार रुपये किलो

बता दें कि बाजार में चंदन की लकड़ी करीब पांच हजार रुपये किलो और चंदन का तेल करीब 50 हजार रुपये किलो बिकता है। यही वजह है कि इनकी नजर चंदन के पेड़ों पर रहती है। वहीं, कोतवाली टीआई देवड़ा ने बताया कि महाराष्ट्र के मालेगांव और अमरावती क्षेत्र में भी इनके खिलाफ इस तरह के मामले दर्ज हैं। खंडवा में अप्रैल 2023 में भी डीजे के बंगले पर चंदन का पेड़ काटने के साथ गार्ड के साथ मारपीट का मामला आया था। तब डकैती का केस दर्ज हुआ था।

जमीन विवाद और मवेशियों को लेकर खूनी संघर्ष, 11 लोग घायल, तीन की हालत गंभीर

ग्वालियर। ग्वालियर जिले के दुहिया गांव में जमीन और भैंसों के बीच लड़ाई होने से उनके पालकों के बीच खूनी संघर्ष हो गया। दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर मवेशी को बांध कर नहीं रखने के आरोप लगाकर हमला कर दिया।

संघर्ष में खुलकर कुल्हाड़ी और डंडे चले। इसमें एक ही परिवार के 11 लोग और दूसरे पक्ष के तीन लोग जख्मी हुए हैं। इनमें तीन को कुल्हाड़ी लगी है। उनकी हालत गंभीर है। जख्मी परिवार इलाज के लिए भर्ती है। वहीं, पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की है।

दरअसल, बिजौली थाना क्षेत्र के ग्राम दुहिया में दो परिवार के पुराना जमीन विवाद और मवेशियों के बीच लड़ाई खून खराबे की वजह बन गई। संघर्ष हरि सिंह बघेल और उनके पड़ोसी रामधन बघेल के परिवार के बीच हुआ। बुधवार सुबह हरि सिंह भैंस को चराने निकला था। उनकी रामवीर की भैंस भी घर के बाहर बंधी थी। दोनों सामने आई तो लड़ गई।

रामवीर का कहना है उन्होंने हरि सिंह को टोक दिया। भैंस बांधकर ले जाते तो मवेशियों में लड़ाई नहीं होती। हरि सिंह को टोकना बुरा लगा, उसने घुमाकर लाठी मारी और शोर मचाकर बेटे सतीश, नरेन्द्र संजू और पत्नी छोटी बाई को बुला लिया। ये लोग कुल्हाड़ी, डंडे और हंसिया लेकर आ गए, जो सामने आया उसे मारते गए। हमले में चाचा राधेश्याम, भारत सिंह और उनकी पत्नी शीला के कुल्हाड़ी से गहरी चोट आई हैं। जबकि उनके समेत रामधन, मुकेश, कल्लू, पार्वती, बदन सिंह, पूजा और नीतू जख्मी हुए हैं।

घटना का पता चलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को इलाज के लिए जयारोग अस्पताल भेजा। जहां पर तीन लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है। वहीं, पुलिस ने मवेशियों के बीच विवाद पर हुए इंसानों के बीच संघर्ष में दोनों पक्षों पर क्रॉस मामला दर्ज किया है।

इनका कहना है...

खेतों में मवेशियों भैंस के बीच लड़ाई से उनके पालकों का खून खौल गया। दोनों पक्ष ने एक दूसरे पर मवेशी को बांध कर नहीं रखने के आरोप लगाकर हमला कर दिया। संघर्ष में खुलकर कुल्हाड़ी, डंडे चले। इसमें एक ही परिवार के 11 लोग और दूसरे पक्ष के तीन लोग जख्मी हुए हैं। इनमें तीन को कुल्हाड़ी लगी है। उनकी हालत गंभीर है। जख्मी परिवार इलाज के लिए भर्ती है। वहीं, पुलिस ने दोनों पक्षों के खिलाफ कार्रवाई की है।

...अनु बेनीवाल, आईपीएस व थाना प्रभारी

मानसिक विक्षिप्त बालिका से ऑटो चालक ने किया दुष्कर्म

घटना से आक्रोशित लोगों ने किया चक्का जाम

बड़वानी। मध्यप्रदेश में बड़वानी जिले के सेंधवा शहर थाना अंतर्गत एक मासूम बालिका से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बालिका मानसिक विक्षिप्त भी है, जिसके साथ देर रात एक ऑटो चालक ने बहला-फुसलाकर साथ ले जाकर दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया है।

मिली जानकारी के अनुसार, दुष्कर्मी एक विशेष वर्ग से है, जिसके चलते शहर में तनाव की स्थिति उत्पन्न हुई है। हालांकि, फिलहाल पुलिस ने कानून व्यवस्था बना रखी है तो वहीं आरोपी को गिरफ्तार भी कर लिया गया है। सेंधवा नगर थाना अंतर्गत मंगलवार देर रात एक नौ साल की मासूम बालिका के साथ दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि बालिका मानसिक विक्षिप्त भी है, तो वहीं घटना को अंजाम देने वाला आरोपी एक वर्ग विशेष से संबंध रखने वाला ऑटो चालक है। इधर, घटना की जानकारी लगते ही शहर में हंगामा होने लगा, जिसके बाद समाज जनों में उपजे आक्रोश को देखते हुए पुलिस ने तुरंत कानून व्यवस्था संभाली और बालिका को अस्पताल पहुंचाया गया। जहां उसका फिलहाल इलाज जारी है तो वहीं आरोपी को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया है। हालांकि, पॉक्सो एक्ट की धाराओं के चलते पुलिस द्वारा आरोपी की पहचान को फिलहाल उजागर नहीं किया गया है।

वहीं, घटना के बाद से ही समाज जन सदमे में हैं और आरोपी के घर को तोड़ने की मांग के साथ ही उसे फांसी की सजा दिलाए जाने की मांग कर रहे हैं। इसके चलते शहर के पुराने बस स्टैंड क्षेत्र में बुधवार सुबह से ही चक्का जाम भी किया गया। हालांकि, बड़वानी एसपी पुनीत गहलोत ने मौके पर पहुंचकर कानून व्यवस्था को संभाला तो वहीं लोगों की भावनाओं को देखते हुए आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जा रही है। साथ ही फिलहाल पुलिस ने कानून व्यवस्था को संभाल रखा है।

चोलना में खेत में मिला वृद्ध का शव, शिनाख्ती के प्रयास जारी

अनूपपुर। अनूपपुर जिले के जैतहरी थाना अंतर्गत चोलना गांव के वार्ड क्रमांक 8 गुट्टीटोला में वीरन केवट के खेत में बुधवार की सुबह अज्ञात वृद्ध का शव मिला है। पुलिस मौके पर पहुंची, अज्ञात वृद्ध की पहचान नहीं हो पाई है। वीरन के परिजनों ने एक अज्ञात वृद्ध को मृत स्थिति में देखने पर हंड्रेड डायल पुलिस को दी। वृद्ध की उम्र करीब 70 साल बताई जा रही है। जिस पर हंड्रेड डायल पुलिस घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। जैतहरी पुलिस के साथ ग्राम पंचायत के सरपंच एवं पदाधिकारी भी घटनास्थल पहुंचे। हालांकि वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी है। खेत मालिक वीरन के परिजन सुबह खेत में खाद डालने के लिए गए थे जिन्होंने अज्ञात वृद्ध को मृत स्थिति में पड़ा होना देखा ।

इंदौर-बैतूल नेशनल हाईवे पर डंपर ने कार को मारी टक्कर, पति की मौत

कन्नौद। इंदौर बैतूल नेशनल हाईवे मार्ग पर ग्राम किलोदा और कलवार घाट के बीच कार और डंपर में टक्कर में एक की मौत हो गई। वहीं, हादसे में तीन लोग घायल हो गए। टक्कर के बाद डंपर में आग भी लग गई। हादसा बुधवार दोपहर करीब 1 बजे हुआ। जिसमें कार में बैठे एक व्यक्ति की मौत हो गई और तीन लोग घायल हो गए। घटना के बाद ट्रक में आग लग गई, जिससे वह पूरी तरह जल गया। हादसे के बाद ग्रामीणों और पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। जानकारी के अनुसार कार क्रमांक एचपी 51 बीई 6573 इंदौर की ओर जा रही थी और इंदौर की ओर से खाली डंपर आ रहा था। ग्राम किलोदा और कलवार घाट के बीच कार-डंपर की टक्कर हो गई। हादसे में कार चालक अशोक पिता मांगीलाल की मौत हो गई, जबकि पत्नी स्मिता, बेटा ऋषभ और तन्वी गंभीर रूप से घायल हो गए। गंभीर हालत में तीनों को इंदौर रेफर कर दिया गया, जहां एक अस्पताल में उनका इलाज चल रहा है। हादसे के बाद सूचना पर पहुंची पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

समर कैंप में खिलाड़ी सीख रहे खेलों की बारीकियां

बीईओ और बीआरसी ने किया निरीक्षण

लोकहित की पुकार, सारंगपुर। मध्य प्रदेश शासन के खेल एवं युवा कल्याण विभाग एवं स्कुल शिक्षा विभाग द्वारा समर कैंप शा. उत्कृष्ट विद्यालय सारंगपुर के खेल मैदान पर आयोजित किया जा रहा है जिसमे आज बी ई ओ बी एल सूर्यवंशी व बी आर सी बी एल वर्मा ने खिलाड़ियों से मुलाक़ात कर समर कैंप कि जानकारी ली वही खिलाडीयों को हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया संभागीय अधिकारी खेल एवं युवा कल्याण विभाग शर्मिला डावर ने बताया कि दिनांक 01 मई से 30 मई 2024 तक चलेगा जिसमे 150 से ज्यादा खिलाड़ी भाग ले रहे है जिला क्रीड़ा अधिकारी महेंद्र परमार ने बताया कि खिलाड़ियों मे समर कैंप मे अच्छा खासा जोश दिख रहा है पुरे जिले मे खिलाडी बढ़ चढ़ कर भाग ले रहे है जिससे हमारे जिले मे खेलो का स्तर भी बढ़ेगा सारंगपुर सहा संयोजक व सचिव खो खो संघ राजगढ़ भारत भेरवे ने बताया कि खिलाडी खो खो व जुडो की बारीकिया सिख रहे है वही इस मैदान पर बरसो से चले आ रहे खेल खो खो मे कई खिलाडी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय यूनिवर्सिटी खेलो इंडिया जैसी कई प्रतियोगिता मे भाग ले चुके है जिला राजगढ़ के छोटे शहर जहा खिलाड़ियों के लिए कोई मैदान और खो खो मेट ना होने के बाद भी खिलाड़ियों ने अपनी मेहनत के दम पर कई मुकाम हासिल किये है हर वर्ष नगर के खिलाडी अपनी मेहनत के दम पर बिना किसी सुविधा के खो खो मे अपना जज्बा कायम रख रहे है खिलाडी को राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गौतम टेटवाल का हर समय खिलाड़ियों को सहयोग मिलता रहता है समर कैंप मे भारत भेरवे लाल सिंह लोधा राहुल गोड़ अभिषेक बड़गोतीया तोहिद खान नमन गुप्ता प्रियांशु भेरवे महिमा पाटीदार अंजलि गोस्वामी निखिल भेरवे देव गिरजे आदि प्रशिक्षण दे रहे है।

हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई सुमित्रा नन्दन पंत जयंती

लोकहित की पुकार, सारंगपुर साहित्य परिषद की स्थानीय इकाई द्वारा सरस्वती विद्या मंदिर के सभागार में महान छायावादी कवि सुमित्रानन्दन जी पंत की जयंती अत्यंत हर्षोल्लास पूर्वक मनाई गई।

इस अवसर पर आयोजित काव्य-निशा में नगर के वरेण्य साहित्यकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सारंगपुर अंचल के समर्थ हस्ताक्षर, सिद्ध हस्त एवं वयोवृद्ध कवि मुरलीधर सोनी पथिक ने की। वहीं मुख्य अतिथि के रूप में वरिष्ठ कवि जयहिंद प्रकाश दुबे तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ शिक्षाविद व पर्यावरणविद नन्दकिशोर सोनी उपस्थित रहे। सर्व प्रथम अतिथिगण ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया व युवा कवि बृज नारोलिया ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत की।

समस्त उपस्थित महानुभावों ने कविवर सुमित्रा नन्दन पंत की श्रीछवि पर पुष्पांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का सफल संचालन साहित्य परिषद संयोजक अध्यक्ष वरिष्ठ कवि सुशील व्यास सारंग द्वारा किया गया।

सरस्वती शिशु मंदिर प्राचार्य जितेंद्र पाठक ने सुमित्रा नन्दन पंत के महनीय व्यक्तित्व एवं कर्तृत्व पर प्रकाश डाला तथा उन्हें एक महान छायावादी एवं प्रकृति का सुकुमार कवि निरूपित किया। आगामी क्रम में जुगलकिशोर दुबे,.राकेश पांडेय. मुरलीधर सोनी पथिक, जयहिंद प्रकाश दुबे, राधेश्याम शर्मा ,ब्रज नारोलिया , सुशील व्यास सारंग ....आदि समर्थ कवि गण ने अपनी प्रतिनिधि रचनाओं का पाठ किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रोतागण की उपस्थिति रही। इस अवसर पर संचालक सुशील व्यास सारंग द्वारा सुमित्रा नन्दन पंत की कविता का पाठ भी किया। अंत मे जुगल किशोर दुबे ने सबका आभार माना और शांतिपाठ के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ।

सारंगपुर जनपद पंचायत के उप यंत्री अहिरवार 20 हजार की रिश्वत लेते रंगें हाथों गिरफ्तार

लोकहित की पुकार, सारंगपुर।

दिनांक 16 मई 24 को आवेदक जितेन्द्र कुमार मालवीय ने विपुसथा पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त कार्यालय भोपाल में शिकायत कि थी। उसके द्वारा ग्राम पंचायत सुल्तानिया तहसील पचोर जिला राजगढ़ में शमशान घाट के सामने सीसी रोड एवं थेल टंकी का निर्माण कराया गया है और उनका मूल्यांकन पंचायत विभाग के इंजीनियर गोविंद कुमार अहिरवार द्वारा किया जाता है जिसके लिए गोविंद अहिरवार 10% के हिसाब से 67000 रुपए मांगे हैं शिकायत का सत्यापन कराया गया एवं 22 मई बुधवार को पुलिस अधीक्षक लोकायुक्त मनु व्यास के मार्गदर्शन में इंजीनियर गोविंद अहिरवार को रिश्वत राशि रुपए 20 हजार लेते रंगे हाथों पकड़ा गया... शेष राशि सरपंच द्वारा फोन पर पर की गई थी। अपराध दर्ज कर धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के अंतर्गत कार्रवाई जारी है टीम का नेतृत्व उप पुलिस अधीक्षक संजय शुक्ला द्वारा किया गया ट्रैप टीम में निरीक्षक उमा कुशवाह ट्रैप कर्ता अधिकारी, प्रधान आरक्षक राजेंद्र पवन आरक्षक, अवध, संदीप कुशवाह शामिल है।

नपा कर्मचारियों का वेतन बढ़ने पर हर्ष का माहौल

मंत्रियों और कलेक्टर का आभार मानकर नपा अध्यक्ष और सीएमओ का किया कर्मचारियों ने स्वागत

लोकहित की पुकार, सारंगपुर

नगर पालिका परिषद सारंगपुर में कार्य कर रहे समस्त दैनिक श्रमिक कर्मचारी ने वेतन बढ़ने पर जिला कलैक्टर राजगढ़ का आभार मानकर नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल मुख्य नगर पालिका अधिकारी एलएस डोडिया स्वास्थ्य सभापति अमित गिरजे वरिष्ठ पार्षद गोपाल पाल का साफा एवं पुषप माला से सम्मान किया एवं माननीय मुख्य मंत्री % मोहन यादव एवं मध्य प्रदेश शासन मंत्री गोतम टेलवाल और जिला कलेक्टर हर्ष दक्षित राजगढ़ का आभार माना स्वागत कार्यक्रम का संचालन नरेन्द कंडारे ने किया समस्त कर्मचारयो मे - हर्ष - - व्यापत है इस अवसर पर नगर पालिक के सभी कर्मचारी उपस्थित रहे कर्मचारियों मे जगदीश जी गिरजे बशीर भाई मनीष गिरजे राम बाबू राणा सरवन गिरजे अर्जुन गिरजे आनन्द गिरजे सोनू राधेश्याम चंदन गिरजे रवी राहुल गिरजे एवं महिला कर्मी कल्पना बाई सुशीला बाई आदि सभी नप कर्मचारी उपस्थित रहे।

आंधी की वजह से गिर गए सोलर पैनल

चार दिन से अंधेरे में ही हो रहे महिलाओं के प्रसव

दमोह। दमोह जिले के तेंदूखेड़ा तहसील अंतर्गत आने वाले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सर्रा में बिजली सप्लाई बंद होने के कारण अंधेरे में महिलाओं के प्रसव हो रहे हैं। पिछले चार दिन से यह समस्या बनी है। इसका कारण है आंधी में सोलर पैनल का टूटना। स्टाफ नर्स को सबसे ज्यादा परेशानी रात में हो रही है जब बिना लाइट के बैटरी या मोबाइल की टॉर्च की रोशनी में प्रसव कराने पड़ रहे हैं। तीन दिन पहले जिन महिलाओं का प्रसव हुआ था, उनके नवजात शिशुओं को गर्मी और उमस की वजह से भी परेशानी उठानी पड़ी।

इस समय गर्मी भी काफी तेज हो रही है। सर्रा उपस्वास्थ्य केंद्र में प्रतिदिन चार से पांच प्रसव हो रहे हैं। अव्यवस्थाओं के कारण मरीजों को असुविधा हो रही है। बिजली सप्लाई बंद होने की स्थिति में सोलर पैनल लगाए लगाए गए थे जो आंधी-तूफान में उखड़ गए। तेंदूखेड़ा से प्राथमिक उप स्वास्थ्य केंद्र व आरोग्य केंद्र सर्रा की दूरी 40 किमी है। यहां जंगली क्षेत्र है। ग्रामीणों ने बताया कि करीब 25 से 30 गांव के लोग यहां इलाज कराने आते हैं। अस्पताल में मरीजों के स्वास्थ्य के लिए कोई सुविधाएं उपलब्ध नहीं है। यहां जो डॉक्टर हैं, वह दो दिन तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सेवाएं दे रहे हैं। सिर्फ नर्स ही मरीजों का इलाज करती हैं। स्थानीय लोगों ने बताया कि पहले हम बाहर के डॉक्टरों से इलाज करवा लेते थे, अब उनके भी अस्पताल बंद हैं। इससे इलाज नहीं मिल पा रहा है। तेंदूखेड़ा स्वास्थ्य केंद्र के सीबीएमओ आरआर बागरी ने बताया कि आंधी-तूफान के कारण पांच सोलर पैनल प्लेट गिर गई है। इसके कारण बिजली व्यवस्था बिगड़ गई है। जो डॉक्टर वहां पदस्थ हैं वे अपनी सेवाएं दो दिन तेंदूखेड़ा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र एवं दो दिन सर्रा उप स्वास्थ्य केंद्र में दे रहे हैं। शीघ्र व्यवस्था की जा रही है।

राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन 31 मई तक आमंत्रित

राजगढ। संचालनालय खेल और युवा कल्याण, म.प्र. 01 अप्रैल, 2023 से 31 मार्च, 2024 के मध्य आयोजित अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में पदक विजेता जिले के प्रतिभावान खिलाड़ियों से वर्ष 2024 की राज्य स्तरीय खेलवृत्ति हेतु आवेदन आमंत्रित किये जा रहें हैं। अधिकृत राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में स्वर्ण पदक विजेता खिलाड़ी को 10 हजार रूपये, रजत पदक विजेता खिलाड़ी को 8 हजार रूपये एवं कास्य पदक विजेता खिलाड़ी को राशि 6 हजार रूपये खेलवृत्ति राशि प्रदान करने का प्रावधान हैं। वर्ष 2024 की खेलवृत्ति हेतु आवेदन 31 मई, 2024 तक स्वीकार किए जा सकेंगे। खेलवृत्ति हेतु आवेदन जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी, राजगढ़ से प्राप्त कर सकते हैं। 31 मई, 2024 के पश्चात् प्राप्त आवेदन पर विचार नहीं किया जावेगा। खेलवृत्ति हेतु निर्धारित दिशा-निर्देश व नियमावली विभागीय वेबसाईट www.dsywmp.gov.in उपलब्ध हैं।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई, फर्जी सिम से फ्रॉड कर लोगों से ठगी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश

उज्जैन। उज्जैन में नानाखेड़ा थाना पुलिस ने एक ऐसे गिरोह का पर्दाफाश किया है, जिसमें उज्जैन और देवास से जुड़े कुछ लोग मोबाइल फोन की सिम को पोर्ट और सिम बनाते समय धोखाधड़ी करते हुए इसकी अतिरिक्त सिम एक्टिवेट करा लेते थे और इसके बाद इन सिमों को पश्चिम बंगाल के कुछ लोगों को बेच देते थे। पश्चिम बंगाल के आरोपीगण उक्त सिमों से फर्जी कॉल के जरिए आम लोगों के साथ ऑनलाइन धोखाधड़ी करते थे।

पूरा मामला कुछ इस प्रकार है कि पुलिस को मुखबिर द्वारा सुचना मिली थी कि न्यू इंदिरा नगर नागझिरी उज्जैन का रहने वाला अक्षय तिरवार एवं कन्नोद जिला देवास का रहने वाला सादिक खान दूसरों के नाम पर सिम एक्टिवेट कर इन सिमों को ऑनलाइन धोखाधड़ी व साइबर फ्रॉड करने वाले पश्चिम बंगाल के तीन व्यक्तियों को बेचकर अवैध लाभ कमाने के लिए तारामंडल उज्जैन गेट के

पास खड़ा है। सूचना पर नानाखेड़ा पुलिस तारामंडल उज्जैन के गेट के पास पहुंची, जहां पर मुखबिर के बताए हुलिए के पांच लड़के आपस में बात करते दिखाई दिए, जो पुलिस को देखकर भागने लगे, जिन्हें पुलिस द्वारा घेराबंदी कर पकड़ा गया।

आरोपियों में अक्षय पिता अजय तिरवार उम्र 22 साल निवासी 195, न्यू इंदिरा नगर नागझिरी उज्जैन, सादिक खान पिता बली शेर उम्र 20 साल निवासी ग्राम गुडवेल थाना कन्नौद जिला देवास, शेख महिबुल पिता शेख रसीद उम्र 35 साल निवासी पाकुडिया मेतेला थाना दुबराज जिला वीरभुम (पश्चिम बंगाल), बाबन खान पिता ताहिर खान उम्र 38 साल निवासी रानी पत्थर बोनपतड़ा थाना खायरा सोल जिला वीरभुम (पश्चिम बंगाल), साजन खान पिता हारुन खान उम्र 24 साल निवासी बिदाईपुर सूरी थाना सिवड़ी जिला वीरभुम (पश्चिम बंगाल) को गिरफ्तार किया। आरोपियों से पूछताछ कर फर्जी सिम खरीदने बेचने संबंधी बात कबूली गई एवं पश्चिम बंगाल के तीनों आरोपियो द्वारा पूर्व में भी उज्जैन आकर लगभग 70 सिम उज्जैन निवासी अक्षय तिरवार से खरीदने की बात भी कबूली एवं अक्षय तिरवार ने सिम मोन्टी निवासी नागदा से लाना बताया है। इस बार पश्चिम बंगाल के आरोपी उज्जैन से कुल 13 एक्टिवेट एवं 43 अनएक्टिवेट एयरटेल की सिम ले जाने वाले थे, जिसके पहले ही सभी को गिरफ्तार कर लिया गया। इस मामले में पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध थाना नानाखेड़ा पर अपराध क्रमांक 228/2024 दिनांक 21.05.24 धारा-419, 420 भादवि एवं 66 (सी) 66 (डी) आईटी एक्ट का पंजीबद्ध किया है।

टी. एल. बैठक में आयुक्त ने की निगम के कार्यो की समीक्षा

उज्जैन। नगर पालिक निगम उज्जैन आयुक्त आशीष पाठक द्वारा सोमवार की शाम नगर निगम कार्यालय छत्रपजि शिवाजी भवन मे टी. एल. बैठक मे समयावधि पत्रो की समीक्षा की गई है।

निगम आयुक्त आशीष पाठक द्वारा टी एल बैठक मे समयावधि पत्रो की समीक्षा करते हुए सभी भवन अधिकारियो एवं भवन निरीक्षको को निर्देश दिये कि वे मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के प्रकरणों का तय समय सीमा मे निराकरण करें तथा पालन प्रतिवेदन सामान्य प्रशासन विभाग को उपलब्ध करायें अन्यथा कि स्थिति मे कार्यवाही की जा सकती है। बैठक में अपर आयुक्त आर एस मंडलोई, अपर आयुक्त वित्त श्री दिनेश चौरासिया सहित सभी उपायुक्त एवं सहायक आयुक्त व अधिकारी उपस्थित थे।

निगम रिमुवल गैंग देवास गेट से महाकाल मंदिर तक हटाया अतिक्रमण

नगर निगम द्वारा आयुक्त आशीष पाठक के निर्देशानुसार निरंतर शहर से अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही की जा रही है बुधवार को अतिक्रमण गैंग के द्वारा महाकाल मंदिर क्षेत्र, देवास गेट, बस स्टैंड, मालीपूरा, इंदौर गेट इत्यादि क्षेत्र में कार्यवाही करते हुए सड़कों पर दुकान व्यवसाईयों द्वारा रखी गई सामग्रियों को जप्त किया गया। नगर निगम द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण अभियान अंतर्गत निरंतर जन जागरूकता के साथ ही शहर की सफाई व्यवस्था को लेकर कार्य किया जा रहा है, साथ ही शहर के जितने भी होटल अस्पताल एवं कमर्शियल क्षेत्र हैं वहां सफाई व्यवस्था को लेकर समझाइश देने का कार्य भी किया जा रहा है।

दैनिक लोकहित की पुकार के लिए स्वामी प्रकाशक मुद्रक संतोष पुष्पद द्वारा सोनू ग्राफिक्स राधा कृष्ण कांप्लेक्स सारंगपुर राजगढ़ 465697 से मुद्रित व सिविल अस्पताल रोड सारंगपुर राजगढ़ मध्यप्रदेश 465697 से प्रकाशित, संपादक संतोष पुष्पद मोबाइल:- 94254 44 846- सभी विवादों का न्याय क्षेत्र सारंगपुर रहेगा।